■ आषाढ़ शुक्ल - 30 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 352 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 21-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित



5 'बिहारी इतने आगे हैं तो बिहार इतना पीछे क्यों': चिराग पासवान

6 हवलदार अदुल मजीद : अपने घावों की परवाह न की, आतंकवादी को ठिकाने से निकालकर ढेर किया

7 'कंगुवा' में तीन अवतार में नजर आएंगे सूर्या



## फर्स्ट टेक

### संसद का मानसून सत्र कल से, 23 को बजट

**नई दिल्ली/भाषा।** संसद का मानसून सत्र सोमवार से आरंभ होने वाला है, जिसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इस सत्र के दौरान विपक्ष भी 'नीट' पेपरलीक और रेल सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। मानसून सत्र सोमवार (22 जुलाई) से शुरू होने वाला है और 12 अगस्त को समाप्त होगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। इस सत्र में सरकार की ओर से छह विधेयक पेश किए जाने की उम्मीद है, जिनमें 90 साल पुराने विमान अधिनियम को बदलने वाला विधेयक भी शामिल है। इस सत्र में जम्मू-कश्मीर के बजट के लिए संसद की मंजूरी भी मिलेगी। इस केंद्रशासित प्रदेश में फिलहाल विधानसभा अस्तित्व में नहीं है और केंद्र का शासन है। सीतारमण सोमवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश करेंगी। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को आम बजट पेश करने वाली हैं।

### जेलेंस्की यूक्रेन पर चर्चा के लिए ट्रंप से सहमत

**कीव/एजेन्सी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर ज़ेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने निजी बैठक में चर्चा करने के लिए सहमति जतायी है। जेलेंस्की ने कहा कि बैठक में यूक्रेन में शांति तक पहुंचने में उठाये जाने वाले महत्वपूर्ण कदमों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा , हम पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ एक व्यक्तिगत बैठक में इस संबंध में चर्चा करने के लिए सहमत हुए हैं कि स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में किस तरह से निष्पक्ष कदम उठाये जा सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि ट्रम्प ने बार-बार दावा किया है कि अगर वह दोबारा चुने जाते हैं, तो वह रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को तुरंत समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि अगर जो बाइडेन के बजाय ट्रम्प वर्तमान में अमेरिका राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन में संघर्ष कभी शुरू नहीं होता।

### कर्नाटक के सरकारी स्कूलों के छात्रों को सप्ताह में छह दिन मिलेंगे अंडे

**बेंगलूरु/भाषा।** कर्नाटक के सरकारी स्कूलों के छात्रों को अब मध्याह्न भोजन योजना के तहत सप्ताह में छह दिन अंडे दिए जाएंगे। यह कदम अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा शनिवार को कर्नाटक सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के बाद उठाया गया है। वर्तमान में राज्य सरकार के मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिन अंडे उपलब्ध कराये जाते हैं। फाउंडेशन ने एक बयान में कहा, फाउंडेशन के सहयोग से स्कूल सप्ताह के सभी छह दिनों में अंडे उपलब्ध कराए जा सकेंगे, जिससे छात्रों के पोषण में काफी वृद्धि होगी।

| | |
|---|---|
| 21-07-2024 सूर्यास्त 6:38 बजे | 22-07-2024 सूर्योदय 5:52 बजे |
| BSE 80,604.65 (-738.81) | NSE 24,530.90 (-269.95) |
| सोना 7,624 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 96,000 रु. प्रति किलो |

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### समान कानून

घुसपैठी चाहे कोई हो,  
हिंदू सिख क्रिश्चन मुसलमान।  
उत्तर दक्षिण पूरब पश्चिम,  
हो एक ही जैसा प्रावधान।  
आरक्षण सम्पति शादी पर,  
हो एक ही धारा का विधान।  
कानून बनाओ अब ऐसे,  
सब पर लागू होवे समान।।

# आदिवासियों की भूमि व अधिकारों की रक्षा के लिए जनसांख्यिकी पर 'श्वेत पत्र' लाएगी भाजपा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**रांची/भाषा।** केद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ होने के कारण झारखंड में जनजातीय जनसंख्या घट रही है और यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो वह उनकी (आदिवासियों की) भूमि व अधिकारों की रक्षा के लिए जनसांख्यिकी पर 'श्वेतपत्र' लाएगी। उन्होंने पार्टी की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक के दौरान यहां प्रभात तारा ग्राउंड में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा को झारखंड में सरकार बनाने का विश्वास है क्योंकि हाल में हुए लोकसभा चुनाव में 81 विधानसभा सीट में से 52 पर कमल पहले ही खिल चुका है।

■ 'भूमि जिहाद', 'लव जिहाद' के पीछे 'वोट बैंक और तुष्टिकरण नीति'

शाह ने कहा, ''झारखंड में सरकार बनाने के बाद हम आदिवासी लोगों, उनकी जमीनों, आरक्षण और अधिकारों की रक्षा के लिए जनसांख्यिकी पर 'श्वेत पत्र' लायेंगे।''

हेमंत सोरेन का नाम लिये बिना उन्होंने आरोप लगाया कि 'भूमि जिहाद', 'लव जिहाद' के पीछे 'वोट बैंक और तुष्टिकरण नीति' की वजह से झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री का हाथ है, जिससे राज्य में जनसांख्यिकी परिवर्तन हो रहा है । उन्होंने कहा कि घुसपैठिए झारखंड में आ रहे हैं, आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं, प्रमाणपत्र हासिल कर ले रहे हैं और जमीन खरीद रहे हैं। शाह ने लोकसभा चुनाव हारने के बावजूद 'अहंकार प्रदर्शित करने' को लेकर राहुल गांधी समेत विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन एवं कांग्रेस के नेताओं पर भी प्रहार किया और कहा कि ''वे हार स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।''

### अमित शाह ने राहुल गांधी पर 'अहंकारी' होने का आरोप लगाया

**रांची/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बावजूद अहंकार दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने संसद में गांधी के 'कार्यकलाप' पर भी सवाल उठाया और कहा कि ऐसा अहंकार तो दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतने वाले नेताओं में भी नहीं दिखता। शाह ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के नेता अपनी हार स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जीतने के बाद बहुत से लोग अहंकारी हो जाते हैं, लेकिन हारने के बाद ऐसा अहंकार पहली बार देख रहा हूं...आपने संसद में राहुल गांधी जी का व्यवहार देखा होगा...यह अहंकार दो तिहाई सीट जीतने के बाद भी नहीं दिखता।'' कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए शाह ने सवाल किया कि जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने चुनाव में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है और भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 में कांग्रेस द्वारा जीती सीट से अधिक सीट पर जीत दर्ज की है, तो वे इतना अहंकार क्यों दिखा रहे हैं।''

## अमरोहा में मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**अमरोहा (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश में अमरोहा रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे शनिवार शाम को पटरी से उतर गए। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। तीन दिन के भीतर उत्तर प्रदेश में यह दूसरी ऐसी घटना है।

मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ उप वाणिज्य प्रबंधक (डीसीएम) आदित्य गुप्ता ने बताया, ''शाम करीब पांच बजे अमरोहा रेलवे स्टेशन पार करने के तुरंत बाद एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन मार्ग पर रेल यातायात प्रभावित हुआ है। मालगाड़ी उत्तराखंड से आ रही थी और दिल्ली जा रही थी।'' गुप्ता के अनुसार ट्रैक की मरम्मत का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि रविवार सुबह तक मार्ग पर रेल यातायात फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

डीसीएम ने कहा, ''फिलहाल इस रूट पर विभिन्न ट्रेन को गाजियाबाद, हापुड़ और गजरौला मार्ग से भेजा जा रहा है।''

# आतंकवाद से लड़ने के लिए सभी समुदायों को हाथ मिलाना होगा : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**डोडा/जम्मू/भाषा।** केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि सरकार सुरक्षा स्थिति में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से लड़ने के लिए सभी समुदायों को हाथ मिलाना चाहिए।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह अपने उधमपुर संसदीय क्षेत्र के डोडा में थे, जहां पिछले तीन महीनों में कई आतंकवादी घटनाएं हुईं, जिनमें 10 सुरक्षाकर्मियों और एक ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) की जान चली गई।

■ आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में वीडीजी को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य उन्हें आतंकवादियों से लड़ने के लिए सशक्त बनाना है।

तीन घंटे से अधिक समय तक के ''जनता दरबार'' से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने वीडीजी के पुनरुद्धार की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ''हाल की आतंकवादी घटनाओं के मद्देनजर डोडा और इसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के पास रणनीति है, लेकिन ऐसी रणनीतियों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की जाती है।''

सिंह ने कहा कि आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में वीडीजी को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य उन्हें आतंकवादियों से लड़ने के लिए सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा, ''सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि जहां भी आवश्यकता होगी, आतंकवादियों द्वारा उत्पन्न चुनौती का सामना करने के लिए बहुआयामी रणनीति के हिस्से के रूप में वीडीजी को तैनात किया जाएगा।''

## नीट यूजी-2024 परीक्षा परिणाम केंद्र-शहर स्तर पर घोषित

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी-2024 की परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के परिणाम शहर और परीक्षा केंद्र स्तर पर शनिवार को अपनी बेवसाइट पर जारी कर दिये। स्नातक स्तर के मेडिकल और अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2024 की परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के परिणाम शहर और परीक्षा केंद्र स्तर पर विद्यार्थियों की पहचान उजागर किए बिना बेवसाइट पर डाल (अपलोड) दिये गये हैं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बड़े पैमाने पर कथित कदाचार और अन्य अनियमितताओं के कारण नीट-यूजी 2024 रद्द कर दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग और अन्य याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की घंटों दलीलें सुनने के बाद 18 जुलाई को यह निर्देश दिया था।

## अंग्रेजों ने देशवासियों की आस्था को व्यवस्थित तरीके से कम करने की कोशिश की : भागवत

**पुणे/भाषा।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दावा किया कि 1857 के बाद अंग्रेजों ने देशवासियों की अपनी परंपराओं और पूर्वजों में आस्था को कम करने का व्यवस्थित तरीके से प्रयास किया।



भागवत ने कहा कि अंधविश्वास तो होता है, लेकिन आस्था कभी अंधी नहीं होती। उन्होंने कहा कि कुछ प्रथाएं और रीति-रिवाज, जिनका पालन किया जा रहा है, वे आस्था हैं। उन्होंने कहा कि कुछ प्रथाएं एवं रिवाज गलत हो सकते हैं और उन्हें बदलने की जरूरत होती है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''अंग्रेजों ने 1857 के बाद (जब ब्रिटिश राजशाही ने भारत पर औपचारिक रूप से शासन करना शुरू किया) हमारे मन से आस्था को खत्म करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए... हमारी अपनी परंपराओं और पूर्वजों में जो आस्था थी, उसे खत्म कर दिया।''

भागवत ने जी बी देगलुरकर की पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा कि भारत में मूर्ति पूजा होती है जो आकार से परे जाकर निराकार से जुड़ती है। उन्होंने कहा कि हर किसी के लिए निराकार तक पहुंच पाना संभव नहीं है, इसलिए उसे एक-एक कदम करके आगे बढ़ना होगा।

### इजराइल ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर किया हमला

**साना (यमन)/एपी।** हूती विद्रोहियों द्वारा तेल अवीव शहर में किए गए घातक ड्रोन हमले के एक दिन बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पश्चिमी यमन में विद्रोही समूह के कई ठिकानों पर हमला किया। इजराइली सेना ने यह जानकारी दी। इजराइल-हमास के बीच अक्टूबर से युद्ध शुरू होने के बाद यह इजराइल द्वारा यमन की धरती पर किया गया पहला हमला प्रतीत होता है।

# बांग्लादेश में कर्फ्यू हुआ लागू

## विरोध प्रदर्शन जारी रहने पर की जाएगी सेना की तैनाती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**ढाका/एजेन्सी।** बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच राजधानी ढाका में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक देश के विभिन्न हिस्सों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच ताजा झड़पों में 35 लोग जान गंवा चुके हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महीने की शुरुआत में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से अब तक कुल 67 लोगों की मौत हो चुकी है।

बांग्लादेश इंडिपेंडेंट टेलीविजन चैनल ने शुक्रवार को 17 और लोगों की मौत की रिपोर्ट दी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मोबाइल , इंटरनेट और फोन लाइनें बंद होने तथा पूरी तरह से संचार लॉकडाउन होने के कारण हताहतों की सटीक संख्या का पता लगाना मुश्किल है।, प्रधानमंत्री कार्यालय ने कल नरसिंगडी जेल पर हमले के बाद कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया।

प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रेस सचिव नईमुल इस्लाम खान ने व्यवस्था बहाल करने के लिए सड़कों पर सेना तैनात किये जाने की घोषणा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि सरकार ने कर्फ्यू लगाने और नागरिक अधिकारियों की सहायता के लिए सेना तैनात करने का फैसला किया है। इस बीच पूरे देश में बस और ट्रेन सेवाएं बाधित हैं, और मीडिया में प्रकाशित तस्वीरों में सड़कों पर दंगा-रोधी वर्दी में बड़ी संख्या में पुलिस को देखा जा सकता है।

### बांग्लादेश से 1000 भारतीय छात्र लौटे

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** बांग्लादेश में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के कारण करीब एक हज़ार भारतीय छात्र स्वदेश लौट आए हैं और अनेक अन्य छात्र भी लौटने की तैयारी में हैं। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान में बताया कि ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग बांग्लादेश में हालिया घटनाक्रम के बाद भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में, भारत बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ सीमा पार बिंदुओं तक सुरक्षित यात्रा की सुविधा के लिए उच्चायोग और सहायक उच्चायोग द्वारा उपाय किए जा रहे हैं। बयान के अनुसार विदेश मंत्रालय हमारे नागरिकों के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन, आव्रजन, भूमि बंदरगाहों, बीएसएफ अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है।

## सहज स्मृति योग

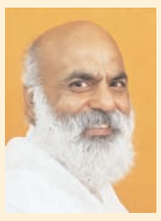

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

**प्रश्न:** गुरुजी, सनातनी परंपरा और संस्कृति में तो मैंने यही देखा है कि, गुरु पूर्णिमा पर शिष्य गुरु के प्रति गुरु से मिली विद्या से अपने जीवन में लाभ पाने के कारण ही गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। क्या गुरु पूर्णिमा का यही और इतना ही महत्व है या कुछ और भी है?

**उत्तर:** गुरु पूर्णिमा का ही क्यों, सृष्टि में जिसकी भी पुनरावृत्ति होती है उसके उद्भव बिंदु तक की यात्रा किए बिना किसी की भी व्याख्या करना यथार्थ ज्ञान ( वेद) नहीं होता, वह केवल बहुविधि वर्णन होता है।जो कि व्यक्तिगत पर्सेप्शन और कॉग्निशन तक सीमित होता है। सृष्टि को चक्र इसीलिए कहा जाता हैं क्योंकि इसमें सब कुछ की निरंतर पुनरावृत्ति मात्र ही हो रही है, बस झीने से ओढ़े परिवर्तन के पर्दे के साथ। स्वयं की चित्त-वृत्तियों के संपूर्ण रूप से निरुद्ध होने से पूर्व, किसी के लिए भी सृष्टि के उद्भव बिंदु तक की यात्रा करना असंभव है।निज चेतना के सृष्टि के आरंभ-बिंदु पर पहुँचने पर ही यथार्थ महत्व स्पष्ट होता है, जहाँ वह घटना पहली बार घटी होती है, केवल उसी बिंदु पर सनातन स्वरूप से अज्ञेय-अज्ञात निरुक्त कल्पना, ज्योतिस्वरूप से व्याकृत हो छंद बद्ध शिक्षा के रूप में शुद्ध चैतन्य में विदित होकर, परं अनुभूति, व्यक्तिगत अनुभव और पारस्परिक समझ बनती है। गुरु पूर्णिमा या पूर्णता या गुरुता का वही सनातन शाश्वत नित्य महत्व है। तत्वतः न तो गुरु, न ही पूर्णिमा (पूर्णता) और न शिष्य ही एक दूसरे से भिन्न हैं।

## सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रीय सेवाभारती ट्रस्ट के अध्यक्ष पन्नालाल भंसाली ने हुब्बल्ली के राष्ट्रोत्थान रक्त केंद्र का दौरा किया तथा जानकारी ली। इस अवसर पर विनोद पटवा, चिकित्साधिकारी डॉ. एसएस संगोली, रक्त केंद्र के ट्रस्टी दत्तमूर्ति कुलकर्णी,नरसिंह कुलकर्णी और श्री शंकर गुमास्ते आदि उपस्थित थे। इस मौके पर भंसाली का सम्मान किया गया।

# नड्डा ने एफएसएसएआई से 'स्ट्रीट फूड' विक्रेताओं के लिए पंजीकरण शुल्क माफ करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को खाद्य नियामक एफएसएसएआई को 'स्ट्रीट फूड' वालों के लिए 100 रुपये का पंजीकरण शुल्क माफ करने का निर्देश दिया। उन्होंने साथ ही देश भर में 'स्ट्रीट फूड' केंद्र बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

नड्डा ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा 1,350 'स्ट्रीट फूड' विक्रेताओं के लिए आयोजित एक प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता की। नड्डा ने एफएसएसएआई को 'स्ट्रीट फूड' विक्रेताओं के लिए 100 रुपये का वार्षिक पंजीकरण शुल्क माफ करने का निर्देश दिया। विक्रेताओं को प्रोत्साहित करने और अधिक पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए, उन्होंने कहा एफएसएसएआई 'स्ट्रीट फूड' विक्रेताओं के लिए 100 रु. का पंजीकरण शुल्क माफ करेगा। इस समय एफएसएसएआई 12 लाख रुपये तक का सालाना कारोबार करने वाले 'स्ट्रीट फूड' विक्रेताओं सहित छोटे खाद्य व्यवसाय संचालकों से पंजीकरण शुल्क के रूप में 100 रु.1 वर्ष लेता है। एफएसएसएआई ने प्रशिक्षण में शामिल सभी विक्रेताओं को प्रमाण पत्र के साथ ही 'स्ट्रीट सेफ' परीक्षण किट भी दिया। नड्डा ने 'स्ट्रीट फूड' विक्रेताओं से अपने दैनिक जीवन में प्रशिक्षण को व्यावहारिक रूप से लागू करने का आग्रह किया, ताकि पारंपरिक 'स्ट्रीट फूड' संस्कृति सभी के लिए सुरक्षित बनी रहे।

# विधानसभा बजट सत्र में जारी किया जाएगा नौकरी कैलेंडर : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रदेश में रिक्त सरकारी पदों को भरने के लिए आगामी बजट सत्र में नौकरी कैलेंडर की घोषणा की जाएगी। वह यहां सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि. की एक सीएसआर पहल 'राजीव गांधी सिविल्स अभय हस्तम' (यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य परीक्षार्थियों के लिए वित्तीय सहायता) का शुभारंभ करने के बाद बोल रहे थे।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार रेड्डी ने कहा, ''राज्य विधानसभा के आगामी बजट सत्र में नौकरी कैलेंडर की घोषणा की जाएगी। सरकार हर साल मार्च से पहले हर विभाग में रिक्तियों का विवरण संकलित करेगी। अधिसूचना दो जून तक जारी की जाएगी और भर्ती प्रक्रिया नौ दिसंबर तक पूरी हो जाएगी।'' तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र 23 जुलाई से शुरू होगा, जबकि विधान परिषद का सत्र एक दिन बाद शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बेरोजगारों की समस्याओं के समाधान और परीक्षाओं को सुनियोजित ढंग से आयोजित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद तीन महीने के भीतर ही 30 हजार पदों पर नियुक्ति के आदेश दे दिए गए थे।

# जम्मू कश्मीर में सकारात्मक बदलाव से 'आतंक के आका' हताश हो गये हैं : उपराज्यपाल सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**श्रीनगर/भाषा।** जम्मू क्षेत्र में हिंसा में तेजी आने के बीच उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को यहां कहा कि जम्मू कश्मीर में सकारात्मक बदलाव से 'आतंक के आका' हताश हो गए हैं, लेकिन हमारी सरकार दुश्मन के नापाक इरादों को कामयाब नहीं होने देगी। सिन्हा ने एसकेआईसीसी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर एक बड़े सकारात्मक बदलाव से गुजरा है लेकिन कुछ लोगों को उससे दिक्कत है।

जम्मू क्षेत्र के हाल के हमलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, '' इस बदलाव से खासकर आतंक का आका हमारा पड़ोसी हताश हो गया है और वह जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद पैदा करने की कोशिश रहा है।'' उपराज्यपाल ने कहा, '' हम उसके नापाक मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे।'' उन्होंने कहा, ''जम्मू के लोगों ने हमेशा आतंक का डटकर मुकाबला किया है और मुझे हमारे जवानों की बहादुरी पर पूरा भरोसा है। जिस तरह से यहां (कश्मीर) से सभी आतंकी संगठनों के कमांडरों का सफाया किया गया, उसी तरह वहां भी (जम्मू में भी) सुरक्षा बल और सेना जल्द ही उनसे छुटकारा पाने में सफल होंगे।''

## जेएनयू परिसर की दीवारों पर जातिसूचक गालियां, सांप्रदायिक नारे लिखे गये: एनएसयूआई

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस की छात्र इकाई 'नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया' (एनएसयूआई) ने आरोप लगाया कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर की दीवारों पर शनिवार को जातिसूचक गालियां और सांप्रदायिक नारे लिखे पाये गये।

एनएसयूआई की जेएनयू इकाई के महासचिव कुणाल कुमार ने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें साझा करते हुए आरोप लगाया कि परिसर में कावेरी छात्रावास की दीवारों पर ''दलित भारत छोड़ो'' और ''ब्राह्मण बनिया जिंदाबाद'' और ''आरएसएस जिंदाबाद'' जैसे नारे लिखे हुए थे। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर तस्वीरें प्रसारित होने के बाद अधिकारियों ने दीवारों पर पेंट करा दिया। 'डीन ऑफ स्टूडेंट्स' मनुराधा चौधरी की ओर से आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। कावेरी छात्रावास के वार्डन मनीष कुमार बरनवाल ने आरोपों पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। छात्र संगठन ने एक बयान में कहा, ''हम, जेएनयू के लोग कावेरी छात्रावास में हाल में हुई घटना से बहुत आहत हैं, जहां दलित बहुजन समुदाय के खिलाफ जातिसूचक गाली के साथ-साथ ''ब्राह्मण बनिया जिंदाबाद'' और ''आरएसएस जिंदाबाद'' जैसे नारे लिखे गए हैं।'' छात्र संगठन ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

# भारत ने 75 साल में अपने औपनिवेशिक शासकों को पीछे छोड़ दिया : मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जबलपुर/भाषा।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि आजादी के सात दशक में भारत ने दो शताब्दियों से अधिक समय तक देश को लूटने वाले अपने पूर्व औपनिवेशिक शासकों को पीछे छोड़ दिया।

यहां दूसरे क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन में उन्होंने उद्योगपतियों से मध्य प्रदेश में निवेश करने की अपील की और उन्हें पर्याप्त पानी और बिजली आपूर्ति का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, हमने 70 से 75 साल में उन लोगों को पीछे छोड़कर अपना खोया हुआ गौरव वापस पा लिया है, जिन्होंने हमें 250 साल तक लूटा...हम वापस पटरी पर आ गए हैं। भारत अब पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में आगे बढ़ने के लिए उत्सुक है। राज्य में उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जबलपुर में रक्षा उत्पादन इकाइयां पहले से ही हॉवित्जर बनाती है, लेकिन भारतीय सेना के लिए टैंक भी यहीं बनाए जाएंगे और इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

यादव ने कहा, समय तेजी से बदल रहा है। महाकौशल क्षेत्र में 517 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के साथ 16 औद्योगिक क्षेत्र उभरे हैं।

यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में 275 दवा कंपनियां हैं और उनके उत्पाद 160 देशों को निर्यात किए जाते हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है। दुनिया की बड़ी दवा कंपनियां यहां कारोबार कर रही हैं। यादव ने कहा कि राज्य में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग भी फल-फूल रहा है, जहां ब्रांडेड खाद्य निर्माताओं की 70 इकाइयां हैं। उन्होंने कहा कि हीरे की खानें मध्य प्रदेश (पन्ना जिले में) में हैं, लेकिन हीरों पर पॉलिश बाहर की जाती है और उनकी सरकार राज्य में हीरा पॉलिशिंग उद्योग स्थापित करने के लिए कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कपड़ा और रेडीमेड परिधान उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जबलपुर में एक अत्याधुनिक कौशल केंद्र स्थापित किया जाएगा।

# साइबर सुरक्षा को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए: डीसीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि साइबर अपराध के बारे में जागरूकता को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में धोखाधड़ी और चोरी अभी भी आम नागरिक को उतना नहीं झकझोरती, जितना कि सड़कों या घरों में होने वाली लूटपाट और डकैती।

दिल्ली की साइबर अपराध इकाई के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) हेमंत तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पिछले डेढ़ साल में साइबर अपराधों में भारी उछाल देखा गया है और आने वाले वर्षों में इसमें और वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा, ''साइबर संपत्ति के खिलाफ अपराध में वृद्धि होगी और ऐसा समय आएगा जब प्रत्येक जिले में पारंपरिक अपराध पुलिस थानों की तुलना में साइबर पुलिस थाने अधिक होंगे।''

जैसे-जैसे लोग अपने व्यवसाय को 'डिजिटल' रूप से संचालित कर रहे हैं, और बहुत सारा धन 'वर्चुअल' रूप से फोन और कंप्यूटर पर संग्रहीत किया जा रहा है, चोर भी भौतिक दुनिया से डिजिटल की ओर बढ़ रहे हैं। फिर भी, ऐसा लगता है कि आम नागरिक ने साइबर दुनिया में धोखाधड़ी की बड़ी संभावना को न तो समझा है और न ही स्वीकार किया है। तिवारी ने कहा कि, इसके लिए कानून बदलने से ज्यादा जागरूकता की जरूरत है। तिवारी ने कहा, ''साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता का अभाव है....।''

# दिल्ली के दक्षिणी रिज में 1,100 पेड़ काटे जाने के खिलाफ 'आप' ने भाजपा कार्यालय के पास प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के दक्षिणी रिज इलाके में 1,100 पेड़ों की कथित कटाई को लेकर यहां दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय के निकट प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में से कुछ ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना के चेहरे से मिलता-जुलता मुखौटा भी पहन रखा था। उन्होंने मानव श्रृंखला भी बनाई।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल रिज में संरक्षित वन क्षेत्र में पेड़ों की कटाई के लिए जिम्मेदार हैं। दक्षिणी रिज में सतबारी के पास 1,100 पेड़ों की कटाई के मामले में उच्चतम न्यायालय ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और 'आप' सरकार दोनों को कड़ी फटकार लगाई थी। 'आप' ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल के ''मौखिक निर्देश'' पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई की गई।

वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की मंजूरी के बाद पेड़ काटे गए। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक बयान में दावा किया कि तीन फरवरी को उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों के साथ रिज का दौरा किया था तथा 1,100 पेड़ों की कटाई का मौखिक आदेश दिया था।

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अधिकारियों से बार-बार पूछा कि किसके आदेश पर पेड़ काटे गए, लेकिन किसी ने भी अदालत को सच नहीं बताया।

भारद्वाज ने कहा कि सड़क को चौड़ा करने के लिए आस-पास के फार्महाउस की 5-10 प्रतिशत भूमि लेकर रिज पर सैकड़ों पेड़ों को बचाया जा सकता था।

उन्होंने आरोप लगाया कि फार्महाउस मालिकों को लाभ पहुंचाने के लिए पेड़ों को काटा गया। विरोध प्रदर्शन करने वालों में पार्टी के विधायक राजेश गुप्ता भी शामिल थे।

## आतिशी ने दिल्ली नगर निकाय के लिए मांगा 10 हजार करोड़ रुपए बजट

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने शनिवार को केंद्र से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन मांगा और उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निकाय को बजट में उसका हिस्सा नहीं मिलता है। दिल्ली की मेयर शेली ओबेरॉय के साथ एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि ओबेरॉय ने इस संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखा है।

आतिशी ने कहा, ''दिल्ली देश में सबसे अधिक कर भुगतान करने वाले राज्यों में से एक है। पिछले साल केंद्र सरकार को कुल 2.32 लाख करोड़ रुपये का कर भुगतान किया गया था। हालांकि, अब भी दिल्ली एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसे शहर के रखरखाव के लिए शहरी स्थानीय निकायों को आवंटन नहीं मिलता है।'' उन्होंने 23 जुलाई को पेश होने वाले केंद्र सरकार के बजट में दिल्ली द्वारा दिए जाने वाले करों में से पांच प्रतिशत राजधानी को आवंटित करने की मांग की।

ओबेरॉय ने कहा कि एमसीडी इस धनराशि का उपयोग शहर की सफाई, सड़कों के रखरखाव और पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए करेगा। उन्होंने कहा, ''हम शहर में सफाई सुनिश्चित करने के लिए पांच हजार करोड़ रुपये, सड़कों के लिए तीन हजार करोड़ रुपये और पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए दो हजार करोड़ रुपये का उपयोग करना चाहते हैं।'' केंद्रीय बजट 2024-25 सीतारमण द्वारा 23 जुलाई को पेश किया जाएगा, जो उनका सातवां बजट और मोदी 3.0 सरकार का पहला बजट होगा।

# कांग्रेस ने शिंदे सरकार के विरूद्ध जारी किया आरोपपत्र, कहा: लोग उसे सबक सिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने शनिवार को एकनाथ शिंदे सरकार के खिलाफ अपना 'आरोपपत्र' जारी किया और कहा कि लोग विधानसभा चुनाव में 'भ्रष्टाचार के जरिए बनी' इस सरकार को सबक सिखाएंगे। कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट ने कहा कि वर्तमान सरकार में मुंबई और राज्य के बाकी हिस्सों में अपराध और नशीली दवाओं की तस्करी बढ़ गयी है तथा भ्रष्टाचार सभी क्षेत्रों में फैल रहा है।

थोराट ने कहा, ''मानसून की पहली बारिश में मुंबई की हालत बहुत खराब हो गई है। सीवर लाइनों और नालों की सफाई में भ्रष्टाचार है। विधायकों को खरीदा जाता है। भ्रष्टाचार के जरिए बनी यह सरकार बहुत भ्रष्ट है। विधानसभा चुनाव में सरकार को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। लोग उन्हें सबक सिखाएंगे।'' उन्होंने कहा कि शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी, अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के गठबंधन वाली इस शिंदे सरकार के शासन में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी आसमान छू रही है। यहां जिस कार्यक्रम में 'आरोपपत्र' जारी किया, वहां मुंबई कांग्रेस प्रमुख और लोकसभा सदस्य वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि इस महानगर में 'शासन से मित्रता रखने वालों को ' जमीन मुफ्त दी जा रही है एवं उद्योग -धंधे राज्य से जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''हम यह आरोपपत्र जनता की अदालत में पेश कर रहे हैं। राज्य सरकार ने न केवल मुंबई के साथ अन्याय किया है, बल्कि आत्मसम्मान, पहचान और सद्भावना को भी चोट पहुंचाया है। महायुति सरकार की सत्ता में आने के बाद 'लड़का मित्र' योजना शुरू की गई, धारावी पुनर्विकास परियोजना के तहत दोस्तों के फायदे के लिए सभी नियमों में ढील दी गयी।''

# 'आप' ने हरियाणा में 'केजरीवाल की पांच गारंटी' का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को चुनावी राज्य हरियाणा के लिए 'केजरीवाल की पांच गारंटी' की घोषणा की। इन गारंटी के तहत मुफ्त बिजली, मुफ्त चिकित्सा उपचार, मुफ्त शिक्षा, राज्य की प्रत्येक महिला को 1,000 रुपये प्रति माह देना और युवाओं के लिए रोजगार मुहैया कराने को शामिल किया गया है। इस साल के अंत में हरियाणा विधानसभा का चुनाव होना है।

पंचकूला में 'केजरीवाल की पांच गारंटी' की घोषणा के दौरान सुनीता केजरीवाल के अलावा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह और संदीप पाठक भी मौजूद थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के संयोजक केजरीवाल आबकारी नीति से जुड़े मामले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में 'आप' के लिए लोगों का समर्थन मांगते हुए केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने मोदी पर दिल्ली के मुख्यमंत्री को सलाखों के पीछे डालने का आरोप लगाया क्योंकि वह उनके कार्यों से 'ईर्ष्या' कर रहे थे। अपने पति को 'हरियाणा का लाल' करार देते हुए उन्होंने लोगों से कहा कि एक भी सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नहीं मिलनी चाहिए। सुनीता ने कहा कि यह केजरीवाल के बारे में नहीं है, बल्कि यह हरियाणा के सम्मान के बारे में है।

केजरीवाल की 'गारंटी' के बारे में उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो घरेलू श्रेणी के लिए मुफ्त बिजली होगी और राज्य में चौबीस घंटे बिजली उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब की तरह हरियाणा में भी 'मोहल्ला क्लीनिक' होगी।

सुनीता ने कहा कि सरकारी स्कूलों की स्थिति में भी सुधार किया जाएगा जहां अच्छी और मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक महिला को प्रति माह 1,000 रुपये मिलेंगे।'' उन्होंने कहा कि इसे जल्द ही दिल्ली और पंजाब में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी हर बेरोजगार युवा को रोजगार देगी।

'आप' ने मुफ्त दवा और चिकित्सकीय जांच का वादा करते हुए कहा कि इससे लोगों को महंगाई से राहत मिलेगी। इसमें 'शिक्षा माफिया' को खत्म करने का भी वादा किया गया है। अपने संबोधन के दौरान सुनीता ने कहा कि किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि केजरीवाल एक दिन देश की राजधानी पर राज करेंगे।

उन्होंने कहा, ''यह कोई सामान्य बात नहीं है। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है।''

## स्वास्थ्य मंत्रालय ने भारत में कोविड से मौतों पर एक अध्ययन को 'भ्रामक' बताया

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि 2020 में भारत में कोविड महामारी के दौरान जीवन प्रत्याशा पर अकादमिक पत्रिका 'साइंस एडवांस' में प्रकाशित एक अध्ययन के निष्कर्ष ''अपुष्ट और अस्वीकार्य'' अनुमानों पर आधारित हैं।

कुछ मीडिया रिपोर्ट में इस अध्ययन के निष्कर्ष प्रकाशित होने के बाद मंत्रालय का यह बयान सामने आया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हालांकि इस अध्ययन के लेखकों ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के विश्लेषण के लिए मानक पद्धति का पालन करने का दावा किया है, लेकिन इस पद्धति में गंभीर खामियां हैं। बयान में कहा गया, ''सबसे महत्वपूर्ण त्रुटि यह है कि लेखकों ने जनवरी और अप्रैल 2021 के बीच एनएफएचएस में शामिल परिवारों के एक उपसमूह पर अध्ययन किया और 2020 में इन परिवारों में मृत्यु दर की तुलना 2019 से की तथा परिणामों को पूरे देश के हिसाब से लागू किया है।'' इसमें कहा गया कि एनएफएचएस नमूना तभी देश का प्रतिनिधित्व करता है जब इसे समग्र रूप से देखा जाए। इसमें कहा गया कि इस विश्लेषण में 14 राज्यों के 23 प्रतिशत परिवारों पर आधारित अध्ययन को देश का प्रतिनिधित्व करने वाला नहीं माना जा सकता।

बयान में कहा गया कि अन्य महत्वपूर्ण त्रुटि सम्मिलित नमूने में संभावित चयन और पूर्वाग्रह से संबंधित है, क्योंकि ये आंकड़े उस समय एकत्रित किए गए थे जब कोविड-19 महामारी चरम पर थी।

# केंद्र की पाबंदियों के बावजूद केरल का खर्च 30-35% बढ़ा : मंत्री बालगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम।** केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य को वित्तीय रूप से बाधित करने के प्रयासों के बावजूद विकास और कल्याणकारी उपायों पर सरकार का व्यय 30-35 प्रतिशत बढ़ गया है। आगामी केंद्रीय बजट से पहले पत्रकारों से बात करते हुए बालगोपाल ने कहा कि पहली पिनाराई विजयन सरकार के तहत राज्य का औसत वार्षिक व्यय लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपये था। विजयन की दूसरी सरकार के शासन दौरान राज्य का औसत वार्षिक व्यय बढ़कर 1.60 लाख करोड़ रुपये हो गया।

बालगोपाल ने कहा, यह हमारे ऊपर गंभीर वित्तीय प्रतिबंधों के बावजूद है, जिसमें हमारी उधार सीमा में कटौती भी शामिल है। हमने वेतन संशोधन भी लागू किया। हमारा राज्य उन कुछ राज्यों में से एक था जिसने ऐसा किया। उन्होंने कहा कि अगर 2021 में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सत्ता में आती तो वेतन संशोधन लागू नहीं होता। उन्होंने आगे दावा किया कि यदि केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के व्यय को भी शामिल किया जाता तो दूसरी एलडीएफ सरकार का औसत व्यय बहुत अधिक होता।

वित्त मंत्री ने कहा कि 2016 से केआईआईएफबी ने विकास पर लगभग 30,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिनमें से लगभग 20,000 करोड़ रुपये दूसरी एलडीएफ सरकार के कार्यकाल के दौरान खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा एलडीएफ सरकार के तीन वर्षों में सामाजिक कल्याण पेंशन पर लगभग 27,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और केवल चार महीने का बकाया भुगतान किया जाना बाकी है।

मंत्री ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए बजट में प्रत्येक विभाग को आवंटित राशि से अधिक भुगतान करना पड़ा कि जनता को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने दावा किया, सरकार यह सब विकास कर रही है और केंद्र द्वारा हमें वित्तीय रूप से दबाने के प्रयासों के बावजूद विकास कार्य कर रही है।

## कुवैत में केरल के एक परिवार के चार सदस्यों की अग्निकांड में मौत

**तिरुवनंतपुरम्/दुबई/कुवैत सिटी।** कुवैत सिटी में एक दुखद घटना में एक भारतीय दंपती और उनके दो बच्चों की उनके फ्लैट में आग लगने से मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह हादसा शुक्रवार रात को हुआ। परिवार उसी दिन केरल से छुट्टी मनाकर लौटा था।

'द अरब टाइम्स' अखबार की खबर के अनुसार, मैथ्यूज मुलक्कल, उनकी पत्नी लिनी अब्राहम और उनके दो बच्चे, शुक्रवार रात को अब्बासिया इलाके में अपने दूसरे मंजिल के फ्लैट में एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग के कारण दम घुटने से मारे गए, यह घटना रात आठ बजे की है। इसमें कहा गया है कि ये सभी लोग अलप्पुझा के नीरत्तुपुरम के रहने वाले थे। अखबार ने कहा, परिवार केरल में छुट्टियां मनाकर कुवैत लौटा था, शुक्रवार को शाम 4 बजे के आसपास पहुंचा। मैथ्यूज मुलक्कल रॉयटर्स में काम करते थे, जबकि उनकी पत्नी लिनी अल अहमदी गवर्नरेट के अदन अस्पताल में स्टाफ नर्स थीं। उनके बच्चे कुवैत के भवन्स स्कूल में पढ़ते थे।

एक रिश्तेदार ने केरल में शनिवार को मीडिया को बताया, मैथ्यू पिछले 15 साल से वहां काम कर रहे थे। परिवार छुट्टियां मनाकर बृहस्पतिवार रात नेदुंबसेरी हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। कुवैत में भारतीय दूतावास ने कहा कि वह केरल में परिवार के संपर्क में है और वह चार भारतीयों के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द स्वदेश भेजा जाना सुनिश्चित करेगा। यह दुर्घटना पिछले महीने एक श्रमिक आवास में लगी भीषण आग की दुर्घटना के तुरंत बाद हुई है जिसमें 45 भारतीयों की जान चली गई थी।

अखबार में कहा गया है कि जनरल फायर फोर्स के कार्यवाहक प्रमुख मेजर जनरल खालिद फहद घटना स्थल पर मौजूद थे और उन्होंने अपने एक्स' पर जनरल फायर फोर्स की घोषणा का हवाला दिया कि उनके दलों ने अपार्टमेंट बिल्डिंग में लगी आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया है। इस बीच, कुवैत में भारतीय दूतावास ने एक्स' पर पोस्ट में कहा, दूतावास कल रात अबासिया में फ्लैट में आग लगने के कारण श्री मैथ्यूज मुलक्कल, उनकी पत्नी और 2 बच्चों की दुखद मौत पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दूतावास उनके परिवार के संपर्क में है और पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द स्वदेश भेजना सुनिश्चित करेगा।

## उपमुख्यमंत्री के रूप में मेरी पदोन्नति पर मुख्यमंत्री को निर्णय करना है : उदयनिधि स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की खबरों को खारिज करते हुए शनिवार को कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को फैसला करना है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से संक्षिप्त बातचीत में कहा, 'यह मुख्यमंत्री को तय करना है।' उदयनिधि उन खबरों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे जिनमें संकेत दिया गया था कि उन्हें जल्द ही पदोन्नत किया जा सकता है।

इससे पहले यहां द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) की युवा शाखा के 45वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि ने कहा कि पार्टी की युवा शाखा के सचिव का पद उनके दिल के करीब है। उन्होंने कहा, जब पत्रकार मेरे उपमुख्यमंत्री बनने की अटकलों के बारे में पूछते हैं तो मैं उन्हें बताता हूं कि राज्य के सभी मंत्री और पार्टी तथा युवा शाखा के पदाधिकारी मुख्यमंत्री के अधीन काम कर रहे हैं।

## प्रधान न्यायाधीश ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के 20वें वर्षगांठ समारोहों का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मदुरै।** प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के 20वें स्थापना वर्ष समारोहों का शनिवार को उद्घाटन किया और दिल्ली उच्च न्यायालय के लिए डेटा एवं सॉफ्टवेयर सामग्री के भंडार के रूप में कार्य करने में पीठ के योगदान की सराहना की।

पीठ की नवीनतम उल्लेखनीय ''उपलब्धि'' की सराहना करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने डेटा और सॉफ्टवेयर का नियमित रूप से रिकॉर्ड रखने के लिए इस वर्ष मदुरै पीठ में एक आपदा राहत केंद्र स्थापित किया है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''इसलिए, दिल्ली यदि समस्याओं का सामना करेगा तो उसे तमिलनाडु से मदद चाहिए होगी।''

प्रधान न्यायाधीश ने 'विगेनटेनियल स्तूप' का वीडियो कांफ्रेंस के जरिये उद्घाटन किया। यहां तामुक्कम मैदान में आयोजित समारोहों में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आर महादेवन भी शामिल हुए।

## जूनियर वकीलों के प्रति सामंती सोच त्यागें, उन्हें सम्मानजनक मेहनताना दें : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मदुरै।** प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को अधिवक्ताओं से जूनियर वकीलों के प्रति सामंती सोच त्यागने को कहा। उन्होंने कहा कि जूनियर वकीलों को कम पैसे देने से पेशे में आने का उनका उत्साह कम हो जाता है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के 20वें स्थापना वर्ष समारोहों का उद्घाटन करने के बाद, प्रधान न्यायाधीश ने दिल्ली उच्च न्यायालय के लिए डेटा एवं सॉफ्टवेयर सामग्री के भंडार के रूप में कार्य करने में पीठ के योगदान की सराहना की।

वकालत के पेशे की शुरूआत कर रहे जूनियर वकीलों को बहुत कम वेतन दिये जाने का मुद्दा उठाते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''कृपया यह सामंती सोच त्याग दें कि वे सीखने, अवसर पाने, अनुभव प्राप्त करने के लिए आए हैं और आप उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जूनियर वकीलों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जूनियर वकीलों को 5,000 रुपये प्रति माह जैसी कम राशि देने से वकालत के पेशे में आने का उनका उत्साह कम कर दिया जाता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जूनियर वकील मौजूदा वास्तविकताओं के प्रति विशेष रूप से अधिक जागरूक हैं तथा उन्होंने कहा कि जूनियर वकीलों को उनकी कड़ी मेहनत के अनुरूप ''सम्मानजनक राशि'' प्रदान की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पर्याप्त वेतन के बिना कड़ी मेहनत का यह अति-रुमानीकरण केवल बयानबाजी नहीं है, बल्कि इससे लोगों से कम आराम और कम मेहनताने के साथ लंबे समय तक काम करने की उम्मीद की जाती है। पीठ की नवीनतम ''उल्लेखनीय उपलब्धि'' की सराहना करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने डेटा और सॉफ्टवेयर का नियमित रूप से रिकॉर्ड रखने के लिए इस वर्ष मदुरै पीठ में एक आपदा राहत केंद्र स्थापित किया है।

प्रधान न्यायाधीश ने 'विगेनटेनियल स्तूप' का वीडियो कॉफ्रेंस के जरिये उद्घाटन किया। यहां तामुक्कम मैदान में आयोजित समारोहों में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आर महादेवन भी शामिल हुए।

## मलप्पुरम में निपाह फैलने का संदेह, उच्च स्तरीय बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम।** केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने राज्य में निपाह महामारी की रोकथाम के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस विषाणु से संक्रमण फैलने की पृष्ठभूमि में यह बैठक बुलायी गयी थी। उत्तरी मलप्पुरम जिले में इस संक्रमण के फैलने का संदेह है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में मलप्पुरम के एक लड़के का इलाज चल रहा है और उसमें निपाह के लक्षण मिलने के संदेह है। उसके नमूने विस्तृत वैज्ञानिक परीक्षण के लिए एक केंद्रीय प्रयोगशाला में भेजे गये हैं।

स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक अंतिम परीक्षण परिणाम अभी नहीं मिले हैं लेकिन निपाह संबंधी चिकित्सा नियमों के मुताबिक सुबह ही कदम उठाये गये। बयान के अनुसार निपाह रोकथाम से संबंधित सरकारी आदेश में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार समन्वित कार्रवाई की जाएगी।

बयान के मुताबिक स्वास्थ्य मंत्री मलप्पुरम जाएंगी तथा निपाह रोकथाम गतिविधियों का नेतृत्व करेंगी। बयान के अनुसार स्वास्थ्य सचिव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य निदेशक, कोझिकोड और मलप्पुरम के जिलाधिकारियों तथा स्वास्थ्य निदेशक ने इस बैठक में हिस्सा लिया।

## रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड होम लोन मेला कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड 22 से 27 जुलाई तक थिरुवोट्टियूर, पूनमल्ली और मेदवक्कम शाखाओं में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सबसे कम ब्याज दर पर होम लोन मेला आयोजित किया जा रहा है। सभी को मेले में शामिल होने और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

## अगर हमने घोटाले किए तो जांच क्यों नहीं करती कर्नाटक की कांग्रेस सरकार : आर. अशोक

**बेंगलूरु।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस को अपने शासन में राज्य में कथित तौर पर हुए '21 घोटालों' की जांच करने की शनिवार को चुनौती दी। पार्टी ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया नीत सरकार पर कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में हुए 187 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में शामिल लोगों को बचाने का आरोप लगाया।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि भाजपा के

शासन में राज्य में 21 घोटाले हुए। आप पिछले 15 महीने से सत्ता में हैं। आपको इन घोटालों की जांच करने में इतना समय क्यों लग रहा है। हम जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं।''पूर्व उपमुख्यमंत्री अशोक ने कहा, ''वाल्मीकि निगम के 88 करोड़ रुपये जिस तरह से खटाखट' तेलंगाना में अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित किए गए, उसी तरह आपको हमारे ऊपर लगे अनियमितताओं के आरोपों की 'खटाखट' जांच करनी चाहिए थी।'' अशोक ने सिद्दरामैया पर आदिवासी कल्याण मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले कांग्रेस विधायक बी नागेंद्र और वाल्मीकि निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दाल को बचाने के लिए वाल्मीकि निगम और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों पर दोष मढ़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

## भ्रष्टाचार के कारण मुख्यमंत्री इस्तीफा दें : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

**बेंगलूरु।** भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक विजयेन्द्र येडीयुप्पा ने कहा कि अगर कोई अक्षम मुख्यमंत्री हो या मंत्री और मुख्यमंत्री की मौखिक सहमति हो तो ही वाल्मिकी निगम के पैसे के गबन जैसा भ्रष्टाचार घोटाला हो सकता है।

शनिवार को बेल्लारी में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मिकी ने निगम का पैसा चुराया और उसका इस्तेमाल बेल्लारी और अन्य जगहों पर चुनाव के दौरान किया। साथ ही अन्य राज्यों के चुनाव में भी इसका इस्तेमाल हुआ है।

उन्होंने पूछा, अगर ऐसा है तो इस सबके लिए अधिकारी ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने एक गैर-मौजूद कंपनी के नाम पर पैसे ट्रांसफर करके और उसे वापस लेकर घोटाला किया

है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि वह बीजेपी सरकार के घोटालों की जांच कराएंगे। तो विजयेन्द्र ने कहा कि कराएं उन्हें रोक तो रखा नहीं है। उन्होंने चुनौती दी कि अगर कोई घोटाला है तो भी जांच करायी जाये। लेकिन, मुख्यमंत्री को पहले हमारे सवाल का जवाब देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस घोटाले के सिलसिले में उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि वह खुद वित्त मंत्री बन गये हैं।

## भूस्खलन में लापता तीन लोगों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के शिरूर गांव में इस सप्ताह के शुरू में हुए भूस्खलन के बाद से लापता केरल के एक लॉरी चालक सहित तीन लोगों को ढूंढने के लिए शनिवार को भी तलाशी अभियान जारी रहा। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया रविवार को तलाशी अभियान की समीक्षा के लिए भूस्खलन स्थल का दौरा कर सकते हैं। पुलिस ने बताया कि 16 जुलाई को हुई घटना के बाद से अब तक सात शव बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि बचाव प्रयासों में मदद के लिए 'ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार' और 'मेटल डिटेक्टर' जैसे उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारी बारिश के कारण तलाशी अभियान में बाधा आ रही है। बचाव और तलाशी अभियान आज फिर से शुरू हो गया है। हम लापता लोगों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। सभी एजेंसियां ङ्कङ्कअपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही हैं। हमने अब तक सात शव बरामद किए हैं और दुर्भाग्य से तीन और लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनमें केरल का लॉरी चालक भी शामिल है।

**बैठक** दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में शनिवार को केपीसीसी कार्यालय में भारत जोड़ों भवन में आयोजित जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक में केपीसीसी अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अभियान समिति के अध्यक्ष विनय कुमार सोरके, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ जीसी चंद्रशेखर, तनवीर सेठ, मंजूनाथ भंडारी, विनय कुलकर्णी, वसंत कुमार, केपीसीसी मीडिया प्रमुख उपस्थित थे।

## मानसिक स्वास्थ्य और अच्छी शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन महत्त्वपूर्ण है : सिद्दरामैया

**मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की तारीफ की**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और अच्छी शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन महत्त्वपूर्ण है। वे अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ साझेदारी में सरकारी और सहायता प्राप्त प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय के बच्चों को सप्ताह में 6 दिन पूरक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, 'मैंने देखा है कि बच्चे बिना नाश्ते के स्कूल आते हैं और दोपहर तक बिना लंच के रहते हैं। इसलिए सरकार ने सप्ताह में दो बार भोजन और पूरक पौष्टिक पदार्थ उपलब्ध कराने की पहल की है।'

उन्होंने कहा, 'अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने सरकार के साथ मिलकर बच्चों को सप्ताह में चार दिन यह उपलब्ध कराने और उन्हें पौष्टिक भोजन मुहैया कराने का काम शुरू किया है।' मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से वैज्ञानिक और बौद्धिक विकास करने का आह्वान किया और कहा कि तभी वे समाजोन्मुखी बन सकेंगे। उन्होंने कहा, 'हम वंचित बच्चों के लिए भी बेहतर शिक्षा के अवसर पैदा करना चाहते हैं। इसी वजह से हम यूनिफॉर्म, जूते, मोजे उपलब्ध कराने के अलावा अधिक से अधिक आवासीय विद्यालय खोल रहे हैं।' इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मधु बंगरप्पा, विप्रो प्रमुख अजीम प्रेमजी दंपति, सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव एलके अतीक, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, गारंटी क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष मेहरूज सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

परिसर विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई
प्रस्ताव के लिए अनुरोध आमंत्रित करने की सूचना

**भारतीय रिज़र्व बैंक एकता नगर, मझगांव, मुंबई - 400010 में अधिकारियों के लिए आवासीय फ्लैटों के निर्माण हेतु जमा आधार पर परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) के चयन हेतु केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) से प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) आमंत्रित करता है।**

बोली (भाग-I और भाग-II) प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 22-08-2024 (अपराह्न 2:00 बजे तक) है। बोली का भाग-I 22-08-2024 को अपराह्न 3.00 बजे खोला जाएगा।

पूर्ण जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in में निविदा लिंक अथवा एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) देखें।

आगे की सूचना/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हों, तो उन्हें बैंक की वेबसाइट और एमएसटीसी पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा और किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

बैंक इस आरएफपी के लिए किसी भी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

मुंबई

प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

''पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं''

# फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाएगा : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सांचौर जिले में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले ई -मित्र संचालकों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किये गए, जिनमें से एक प्रकरण में जांच के दौरान आधार कार्ड का नामांकन रजिस्ट्रार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधीन कार्यरत ऑपरेटर कन्हैयालाल की आईडी से होना पाया गया।**

जयपुर। राजस्थान सरकार ने शनिवार को कहा कि राज्य में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले ई-मित्र एवं आधार केन्द्रों पर कार्रवाई के लिए राज्यव्यापी अभियान चलाया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को विधानसभा में यह घोषणा की। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि सघन अभियान चलाकर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले आधार केंद्रों एवं ई-मित्र संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि इसके लिए राज्य के सभी ई-मित्रों और आधार केन्द्रों की जांच की जाएगी तथा आधार मशीनों की वार्षिक रिपोर्ट मंगाकर उनकी भी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि ई-मित्र संचालकों द्वारा निःशुल्क सेवाओं तथा सशुल्क सेवाओं की राशि की जानकारी केंद्र के बाहर लिखा जाना अनिवार्य किया जाएगा, ताकि आमजन से सेवाओं का अधिक शुल्क नहीं वसूला जा सके। पटेल, रानीवाड़ा से विधायक रतन देवासी द्वारा इस संबंध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाये गए मामले पर जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सीमावर्ती जिलों में संचालित अधिकृत आधार केंद्रों द्वारा फर्जी आधार कार्ड बनाया जाना राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ बेहद गंभीर मामला है।

राज्य सरकार द्वारा ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि 21 जून, 2024 को फर्जी दस्तावेजों एवं बायोमेट्रिक का उपयोग कर फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने की खबर प्रकाशित होने पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नयी दिल्ली स्थित भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से आधार कार्ड के संबंध में जांच करवाई गई।

पटेल ने बताया कि सांचौर जिले में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले ई -मित्र संचालकों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किये गए, जिनमें से एक प्रकरण में जांच के दौरान आधार कार्ड का नामांकन रजिस्ट्रार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधीन कार्यरत ऑपरेटर कन्हैयालाल की आईडी से होना पाया गया। प्रकरण में संलिप्त ई -मित्र एवं आधार संचालकों के खिलाफ 21 जून 2024 को सरवाना थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, पटेल ने कहा कि इस प्रकरण की जांच सीबीआई को स्थानांतरित किये जाने के लिए अधिसूचना एवं आवश्यक सूचनायें अनुरोध पत्र के साथ केंद्र सरकार को भेज दी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में नामजद आरोपी तोगाराम, गणपत सिंह व कन्हैया लाल फरार हैं। मंत्री ने कहा कि आरोपियों की तलाश कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। सांचौर जिले के दूसरे प्रकरण में चितलवाना थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपी मनोहर लाल को 21 जून 2024 को अपराध प्रमाणित पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। अन्य अभियुक्त विकास, रमेश एवं सुनील की गिरफ्तारी शेष है और मामले की जांच जारी है।

उन्होंने बताया कि सांचौर जिले में ई-मित्र संचालकों एवं आधार केंद्रों पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है ताकि भविष्य में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि किसी भी ई-मित्र या आधार केन्द्र संचालक के फर्जी आधारकार्ड बनाने में संलिप्तता पाए जाने पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि नयी दिल्ली स्थित भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा तकनीकी स्तर से की गई जांच के बाद 14 आधार ऑपरेटर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के रजिस्ट्रार द्वारा इन आधार ऑपरेटर की आधार मशीनों को 'डी-रजिस्टर' कर बंद कर दिया गया है एवं प्राधिकरण के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

## पूजन

हिंगोलिया गौशाला में शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गौ माता के विधिवत पूजन व गौशाला प्रांगण में स्थित मंदिर में महादेव व देवकीनंदन प्रभु श्री कृष्ण के पावन दर्शन पूजन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली हेतु कामना की।

# रामगढ़ बांध क्षेत्र में अतिक्रमण का सर्वे किया जाएगा : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने रामगढ़ बांध क्षेत्र में अतिक्रमण से संबंधित प्रकाशित खबरों को गंभीरता से लेते हुए बांध क्षेत्र में अतिक्रमण के सर्वे के लिए टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बांध क्षेत्र में सर्वे टीम की रिपोर्ट के उपरांत अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल ही उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

रावत ने बताया कि बताया कि रामगढ़ बांध में भराव एवं बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण के सर्वे के लिए जल संसाधन, राजस्व, जयपुर विकास प्राधिकरण एवं जिला कलेक्ट्रेट जयपुर के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त जांच टीम का गठन करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने बताया कि संयुक्त जांच टीम तत्काल ही मौके पर जाकर रामगढ़ बांध क्षेत्र का मौका निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेगी।

उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय की मॉनिटरिंग कमेटी द्वारा बांध क्षेत्र के कुछ स्थान चिन्हित किए गए है, जहां अतिक्रमण की स्थिति बताई गई है। ऐसे सभी स्थानों को संबंधित विभागों द्वारा जांच करवाकर कार्रवाई की अनुपालना रिपोर्ट उच्च न्यायालय को भेजी जाएगी। रावत ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन को निर्देश दिए गए है कि विधानसभा में माननीय सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में यदि गलत तथ्य पेश किए गए है तो इसकी भी जांच करवाई जाएगी। यदि कोई अधिकारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

जल संसाधन मंत्री ने बताया कि रामगढ़ बांध क्षेत्र में निर्माण से संबंधित पिछले पांच वर्षों में जल संसाधन विभाग से राजस्व विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण इत्यादि संस्थाओं को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किए गए है, तो इसकी जांच करवाई जाएगी।

यदि किसी भी प्रकार का गलत अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया है या खामी पाई गई है तो इसमें लिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

# ब्लर्ड हेरिटेज कन्वेंशन से टूरिज्म को मिलेगा बढावा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। उन्होंने दक्षिणी नगर निगम द्वारा जोधपुर के पत्रकारों को पत्रकार भवन आमंत्रित किए जाने पर खुशी जाहिर की।

एयरपोर्ट पर पत्रकारों ने बात करते हुए शेखावत ने कहा कि इससे पत्रकारों के काम की क्वालिटी में और अधिक सुधार होगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार से बातचीत करेंगे।

टूरिज्म को लेकर प्रदेश सरकार अपनी तरफ से योजना बनाएगी और फिर केंद्र सरकार को भेजेगी। शेखावत ने आगे कहा कि भारत के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी जो यूनेस्को के कन्वेंशन के बाद 195 देश जिसके सदस्य हैं, इससे पहले भी भारत को चार बार सदस्यता का अवसर मिला है। मेरे लिए भी यह सौभाग्य की बात है कि मेरे मंत्री बनते ही भारत को अध्यक्षता करने का सौभाग्य मिला है।

उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद भारत में पहली बार वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी की बैठक आयोजित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। 40 दिन के कालखंड में एक बड़ा आयोजन करना था जिसमें देश और दुनिया से 165 से ज्यादा देशों के 3200 प्रतिनिधि शामिल होंगे।

इस दौरान 30 से ज्यादा देशों के मंत्री भी उपस्थित होंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और डीजी यूनेस्को की उपस्थिति में उद्घाटन होगा। दस दिनों तक चलने वाली इस बैठक में विश्व की धरोहर के रूप में मान्यता प्राप्त 1199 साइट्स का री ऑडिट कराया जाएगा। बता दें कि वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेंशन 21 जुलाई से 31 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। भारत मंडपम में यह कन्वेंशन होगा।

# भजन संध्या में नाचते हुए अचानक हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। कहते हैं कभी-कभी देखते ही देखते कुछ ऐसा हो जाता है, जिसकी हम कभी परिकल्पना तक नहीं कर सकते। कुछ ऐसा ही वाकया राजस्थान के अजमेर जिले के पीसांगन में गुरुवार की मध्यरात्रि में देवशयनी एकादशी पर खाकी जी महाराज के मंदिर परिसर में चल रही भजन संध्या में हुआ। अब पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक पीसांगन में खाकी जी महाराज के मंदिर परिसर में देवशयनी एकादशी के अवसर पर 17-18 जुलाई की मध्यरात्रि को बुधवाड़ा निवासी हाथीराम जाट एवं तुलसीराम लारा एंड पार्टी के नेतृत्व में भजन संध्या का आयोजन हो रहा था। भजन संध्या में पीसांगन के शिव कॉलोनी निवासी 55 वर्षीय धर्मप्रेमी बाबूलाल कहार भी भेरू जी महाराज के भजनों पर नाचने-झूमने लगा।

इसी दौरान भजन गायक हाथीराम जाट ने गाया आयो हरि आयो बाबू जी कहार क्या बात अमर हो ज्यावे और इसके अगले ही क्षण नाचता-झूमता बाबूलाल कहार अचानक से लड़खड़ाता हुआ जमीन पर गिर गया। वहां मौजूद लोग बाबूलाल को तुरंत ही उपचार के लिए पीसांगन स्थिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां पर स्वास्थ्य परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने उसे हृदयाघात के कारण मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद परिजन बाबूलाल के शव को अस्पताल से घर के लिए लेकर रवाना हुए। पीसांगन स्थित मुक्तिधाम में बाबूलाल कहार का अंतिम संस्कार कर दिया गया। अचानक घटे घटनाक्रम के बाद भजन संध्या को भी विराम दे दिया गया।

# कई संभागों में भारी बारिश का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मानसून की सक्रियता से राजस्थान के कई संभागों में आगामी दिनों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम केंद्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र आज ओडिशा, छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ेगा एवं अगले 12 घंटों में उसके कमजोर होने की संभावना है। मौसम केन्द्र ने बताया कि मानसून 'ट्रफ लाइन' जैसलमेर और अजमेर से गुजर रही है।

इसके अनुसार उपरोक्त तंत्र के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों में आगामी दिनों में बारिश जारी रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 21-23 जुलाई को बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा कोटा, उदयपुर, जयपुर, अजमेर तथा भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश व एक दो स्थानों पर अति भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी दिनों में मेघ गर्जन व बारिश की गतिविधियां होने की संभावना है।

# हरियाली तीज पर 1 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति में प्रकृति पूजा की परंपरा है। हम पेड़, नदी, पहाड़ सभी की पूजा करते हैं। हमारे पूर्वजों ने इसे संस्कृति से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रकृति की सेवा और मां के प्रति सम्मान का भाव जुड़ा हुआ है। शर्मा शनिवार को जयपुर ग्रामीण जिले मे स्थित हिंगोनिया गौ पुनर्वास केन्द्र में पशुपालन, गोपालन, डेयरी और देवस्थान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सघन वृक्षारोपण अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने आगामी हरियाली तीज (7 अगस्त) पर पूरे प्रदेश में एक दिन में 1 करोड़ पौधे लगाए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब युवा 18 वर्ष का होता है तो उसे मतदान का अधिकार मिलता है, लेकिन इस अधिकार के साथ कई दायित्व भी साथ में जुड़ते हैं। उन्हांने कहा कि हमें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभाना होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने माता-पिता, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नत राष्ट्र की पहचान भौतिक विकास से नहीं बल्कि वहां के लोगों की वैचारिक समृद्धता से होती है क्योंकि विचार समृद्ध होते हैं तो राष्ट्र भी विकसित होता है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए ऑक्सीजन का स्रोत हैं, धरती को उपजाऊ बनाते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पौधरोपण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने गौशाला परिसर में कदंब एवं आम के पौधरोपण के साथ अभियान का शुभारंभ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर में दर्शन किए तथा गौ पूजन किया।

कार्यक्रम में जाते समय विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री का बड़े उत्साह के साथ स्वागत-सत्कार किया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा सामाजिक सरोकारों के सूत्रधार रहे हैं। उन्होंने देश में 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत की, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई। प्रधानमंत्री ने महिला लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों की इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए मोदी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की अभिनव पहल की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ गौवंश को भी लाभ पहुंचाएगा। पेड़ों से मिलने वाली छाया गौवंश को गर्मियों में राहत देगी। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सभी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्व निभाएं तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान को राजस्थान में सफल बनाएं और पूरे भारत में एक मिसाल स्थापित करें। कार्यक्रम में पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' तथा एक पेड़ गौ माता के नाम अभियान के तहत मिशन वन रक्षण 2024 के अंतर्गत प्रदेश में 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान राज्य के गोपालन, देवस्थान, डेयरी एवं पशुपालन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने के लिए वर्ष 2028 तक वन क्षेत्र में 20 हजार हेक्टेयर की वृद्धि करने की घोषणा परिवर्तित बजट 2024-25 में की गई है।

# गुरु-शिष्य परंपरा आत्मज्ञान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का बेहतर माध्यम : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुरु के नाम मात्र से ही हमें पवित्रता का एहसास होता है। गुरु हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करते है और हमें ज्ञानवान बनाते है। उन्होंने कहा कि गुरु ही सच्चाई का मार्ग दिखाने का कार्य करते हैं और वे हमारे शिक्षक, परामर्शदाता, मार्गदर्शक और सारथी होते हैं। शर्मा सांगानेर के जीवाराम गुरुद्वारा व हरिहर मंदिर में अखिल भारतीय रामजन मण्डल की ओर से आयोजित विशाल धर्म सम्मेलन एंव सत्संग कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी गुरु-शिष्य परंपरा आत्मज्ञान की पूंजी को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का सबसे बेहतर माध्यम है। आध्यात्मिक मन में सच्ची लगन एवं श्रद्धा से गुरु को कहीं भी पाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुओं ने अपने शिष्यों के जीवन में बदलाव लाने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुकरणीय विरासत स्थापित की है।

उन्होंने कहा कि हमारी वैचारिक एवं सांस्कृतिक विरासत की विश्व में विशिष्ट पहचान है। इन्हीं आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परम्परा से भारत विश्वगुरु कहलाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में विकास, सीमाओं की सुरक्षा से लेकर विश्व में भारत के बढ़ते गौरव के रूप में बदलाव आया है। देश के विकास और विरासत से भारत 21वीं सदी में विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है।

कार्यक्रम में जाते समय विभिन्न स्थानों पर लोगों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रास्तों में कई जगहों पर काफिले को रूकवाकर अभिवादन स्वीकार किया और आत्मीयता के साथ लोगों से मुलाकात की। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में हर वर्ग एवं हर क्षेत्र का ध्यान रखा है, ताकि हर वर्ग की भागीदारी के साथ विकसित राजस्थान का संकल्प साकार हो सके।

# जैसलमेर में युवती को थाने से लेने पहुंचे परिजनों का प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में घर से भागकर शादी करने वाली युवती को लेने थाने पहुंचे परिजन और स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को थाने के बाहर प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पुलिस ने लाठीचार्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि युवक-युवती ने कुछ दिन पूर्व घर से भागकर शादी कर ली थी। शुक्रवार को दोनों पुलिस सुरक्षा मांगने के लिए कोतवाली थाने पहुंचे थे। युवती के घरवालों को इसका पता चल गया। वे स्थानीय लोगों के साथ थाने पहुंच गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूर्व विधायक सांग सिंह भाटी के नेतृत्व में ये लोग युवती को लेने थाने पहुंचे थे। युवती प्रेम प्रसंग के चलते पड़ोस में रहने वाले एक युवक के साथ भाग गई थी। युवती के परिजनों ने कोतवाली थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस उपाधीक्षक राजेश शर्मा ने बताया, प्रदर्शन में शामिल चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार के लोग युवक युवती के प्रेम संबंध के खिलाफ हैं। युवक युवती ने कथित तौर पर 9 जुलाई को शादी कर ली थी।

# तालाब में नहाने गए चार बच्चों की डूबने से मौत

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र में एक तालाब में नहाने गये दो भाइयों समेत चार बच्चों की पानी की गहराई में डूबने मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल से छुट्टी होने के बाद बच्चे नहाने के लिए तालाब में गए और सभी गहरे पानी में डूब गए। उन्होंने बताया कि जब बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की और पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी नागेंद्र सिंह ने बताया, ''तालाब में दो भाइयों समेत चार बच्चे डूब गए। सभी एक ही गांव के थे। शवों को पोस्टमार्टम के बाद कल परिजनों को सौंप दिया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान रोहित (8), शैलेंद्र (6), सानेश (8) और हेमंत (12) के रूप में हुई है।

# ओडिशा में भारी बारिश के चलते 23 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनी दबाव की स्थिति के चिल्का झील के पास तट को पार करने से ओडिशा में शनिवार को भारी बारिश हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भारी बारिश के कारण मलकानगिरी जिले के जोखिम वाले क्षेत्रों से कम से कम 23 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिनों में और अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

भुवनेश्वर स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मलकानगिरी जिले के चित्रकोंडा में सबसे अधिक 220.5 मिलीमीटर और इसके बाद इसी जिले के कोरकुंडा में 217 मिमी बारिश हुई। मलकानगिरी जिले के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं।

आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा कि शनिवार सुबह दबाव का क्षेत्र पुरी से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और गोपालपुर से 70 किलोमीटर पूर्व-उत्तर पूर्व में था।

दबाव की यह स्थिति ओडिशा और छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगी तथा अगले 24 घंटों में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक धीरे-धीरे कमजोर हो जाएगी। आईएमडी ने

बुलेटिन में कहा कि इसके प्रभाव से ओडिशा में शनिवार को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है तथा अगले पांच दिन तक राज्य में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश जारी रह सकती है।

मौसम वैज्ञानिकों ने शनिवार को कंधमाल, बौध, कालाहांडी, बोलनगीर और नुआपाड़ा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

बरगढ़, सोनपुर, संबलपुर, अंगुल, झारसुगुड़ा, गजपति, गंजाम, रायगड़ा, कोरापुट, मलकानगिरि, मयूरभंज, क्योंझर और बालासोर जिलों में भी भारी बारिश का अनुमान है।

ओडिशा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने स्थिति की समीक्षा की।

मलकानगिरी जिले में कई पुलों के ऊपर बारिश का पानी बहने से मलकानगिरी और कालीमेला, मोटू और कालीमेला तथा पड़ोसी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है।

कन्याश्रम और चल्लागुडा पुल जलमग्न हो गए हैं और पोडिया-कलीमेला मार्ग प्रभावित हुआ है।

मंत्री ने कहा, ''मलकानगिरी जिले में 23 परिवारों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।'' उन्होंने बताया कि नबरंगपुर जिले के कलेक्टर ने जानकारी दी है कि पापडाहांडी और चंदाहांडी को जोड़ने वाला तुरी नदी पर बना पुल डूब गया है जिसके चलते यातायात पर रोक लगा दी गई है।

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) सत्यव्रत साहू ने जिलाधिकारियों से कहा कि वे पानी कम होने तक जलमग्न सड़कों और पुलों पर वाहनों की आवाजाही पर सख्ती से रोक लगाएं।

## उत्तर प्रदेश पुलिस के फल विक्रेताओं के लिए जारी आदेश में कुछ गलत नहीं : मांझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर फल विक्रेताओं को अपनी दुकानों पर नाम लिखने के लिए कहे जाने में उन्हें ''कुछ भी गलत नहीं'' लगता है।

मांझी उत्तर प्रदेश पुलिस के उस विवादास्पद निर्देश के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे, जिसकी विपक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सहित कुछ भाजपा सहयोगियों ने आलोचना की है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख मांझी ने कहा, ''मैं अन्य दलों के संबंध में तो नहीं कह सकता, लेकिन मुझे इस तरह के आदेश में कुछ भी गलत नहीं लगता। अगर कारोबार से जुड़े लोगों से उनके नाम और पते प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए कहा जाए तो इसमें क्या नुकसान है?'' उन्होंने कहा, ''वास्तव में, इस तरह नाम लिखा होने से खरीदारों के लिए पसंदीदा दुकान ढूंढना आसान हो जाता है। इस घटना को धर्म के चश्मे से देखना गलत है।''

इस मुद्दे पर मांझी का रुख बिहार के दूसरे दलित नेता चिराग पासवान से अलग है। हाल में पासवान ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि वे इस निर्देश से असहमत हैं। उनका कहना था, ''जातिवाद और सांप्रदायिकता ने देश को किसी भी चीज से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।'' विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस के निर्देश का उद्देश्य तीर्थयात्रा के मौसम में मुस्लिम फल विक्रेताओं को व्यवसाय करने से हतोत्साहित करना है।

## 'बिहारी इतने आगे हैं तो बिहार इतना पीछे क्यों': चिराग पासवान ने पूछा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार सरकार से अपराध के मामलों और हाल में पुल ढहने की घटनाओं के संबंध में कड़ी कार्रवाई करके मिसाल कायम करने को कहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए एक दृष्टिकोण की जरूरत है।

बिहार के मुख्यमंत्री एवं जद (यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के कभी घोर आलोचक रहे पासवान ने कहा कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अगला विधानसभा चुनाव कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा, लेकिन उन्होंने कई ऐसे मुद्दों की ओर भी ध्यान दिलाया जिनके कारण राज्य का विकास अवरुद्ध हुआ है। बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 के अंत में होना है। पासवान ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''बिहारी इतने आगे हैं तो बिहार इतना पीछे क्यों? हमें इस सवाल का जवाब ढूंढने की जरूरत है।'' उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राज्य के लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में, उच्च सरकारी नौकरियों से लेकर निजी क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, ''समस्या यह है कि एक दृष्टिकोण होना चाहिए और उसे लागू किया जाना चाहिए।''

उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि राज्य से पलायन रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। पासवान ने 23 जुलाई को केंद्रीय बजट पेश होने से पहले कहा कि वह बिहार के लिए विशेष श्रेणी के दर्जे की मांग का समर्थन करते हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि नीति आयोग की सिफारिशें इस मांग को स्वीकार करने के खिलाफ हैं और राज्य को विशेष पैकेज जैसा विकल्प दिया जाना चाहिए।

## टिपरा मोथा प्रमुख ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर चौकसी बढ़ाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अगरतला/भाषा।** टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने शनिवार को केंद्र सरकार से हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से लगी देश की सीमा पर चौकसी बढ़ाने का आग्रह किया। त्रिपुरा पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

देबबर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर कहा, इतिहास से स्पष्ट है कि जब भी पूर्वी पाकिस्तान/बांग्लादेश में अशांति हुई है, त्रिपुरा को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि वह सीमा पर सर्वोच्च स्तर की चौकसी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अस्थिरता का सीधा असर त्रिपुरा, असम और मेघालय जैसे पूर्वोत्तर के सीमावर्ती राज्यों पर पड़ता है। टिपरा मोथा प्रमुख ने कहा, '' सीमा से घुसपैठ और अवैध प्रवासन सबसे ज्यादा वहां आदिवासी लोगों को प्रभावित करते हैं जहां जमीन बहुतायत में है, लेकिन आबादी कम है। छठी अनुसूची वाले क्षेत्रों में भूमि कानूनों को मजबूत करना होगा।'' देश में जारी प्रदर्शनों के हिंसक होने के बीच बांग्लादेश पुलिस ने पूरे देश में कड़ा कर्फ्यू लगा दिया है। हिंसा को रोकने के लिए सैन्य बलों ने शनिवार को राजधानी ढाका के कुछ हिस्सों में गश्त की।

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर कई दिनों से हिंसक प्रदर्शन और झड़पें हुई हैं। हिंसा में कई लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए हैं। सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर छात्रों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों के कारण ढाका और अन्य जगहों पर हिंसा में इजाफा हुआ है। इस संबंध में बात किये जाने पर त्रिपुरा के गृह सचिव पीके चक्रवर्ती ने ताजा हालात पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया।

## हिंसाग्रस्त बांग्लादेश से 100 छात्र त्रिपुरा सीमा के रास्ते भारत लौटे

**अगरतला/कोलकाता/भाषा।** बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच लगभग 100 छात्र त्रिपुरा में दो एकीकृत जांच चौकियों के जरिए सुरक्षित भारत लौट आए। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने यह जानकारी दी। बीएसएफ, त्रिपुरा फ्रंटियर ने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश से और अधिक छात्रों के स्वदेश लौटने की उम्मीद है।

इसमे कहा गया, ''बांग्लादेश में जारी हिंसक विरोध-प्रदर्शन के कारण वहां पढ़ाई कर रहे भारतीय और विदेशी छात्र भारत लौट रहे हैं। आज शाम चार बजे तक नेपाली छात्रों सहित करीब 100 विद्यार्थी वैध दस्तावेजों के साथ वापस आ गए हैं।'' बांग्लादेश में विवादास्पद नौकरी कोटा प्रणाली को लेकर घातक झड़पें जारी हैं।

बयान में कहा गया कि बीएसएफ सीमा पार स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है और जवान हाई अलर्ट पर हैं। बीएसएफ, त्रिपुरा फ्रंटियर के महानिरीक्षक पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास ने छात्रों को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के अधिकारियों से सहयोग के लिए बात की। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''बांग्लादेश में पढ़ रहे मेघालय, असम, मिजोरम और नेपाल के करीब 240 छात्र श्रीमंतपुर और अखौरा के जरिए भारत लौट सकते हैं। संबंधित जिलाधिकारियों को बीएसएफ के साथ समन्वय करने के लिए कहा गया है।''

पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल में पांच नेपाली छात्रों ने शनिवार को सिलीगुड़ी के निकट फुलबाड़ी सीमा चौकी पार की, जबकि कूचबिहार जिले में मेखलीगंज सीमा के जरिए छह भारतीय छात्र भारत लौट आए। बांग्लादेश के रंगपुर मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे नेपाली छात्र राहुल राय ने संवाददाताओं से कहा, ''बांग्लादेश में स्थिति खराब है। हर जगह सुरक्षाबलों के साथ झड़पें हो रही हैं। हम असुरक्षित महसूस कर रहे थे, इसलिए हमने लौटने का फैसला किया।''

## कांवड़ से जुड़ा आदेश 'भेदभावपूर्ण और सांप्रदायिक', कानूनी पहलुओं पर विचार करेंगे : जमीयत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश की आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि यह ''भेदभावपूर्ण और सांप्रदायिक'' फैसला है तथा इससे संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का हनन होता है।

जमीयत का यह भी कहना है कि उसकी कानूनी टीम इस आदेश के कानूनी पहलुओं पर विचार करेगी।

मुजफ्फरनगर जिले में 240 किलोमीटर लंबे कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी होटलों, ढाबों और ठेलों सहित भोजनालयों को अपने मालिकों या इन दुकानों पर काम करने वालों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश के कुछ दिन बाद शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य के लिए ऐसा ही आदेश जारी करने का फैसला किया। जमीयत प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने एक बयान में कहा, ''यह एक भेदभावपूर्ण और सांप्रदायिक फैसला है। इस फैसले से देश विरोधी तत्वों को लाभ उठाने का अवसर मिलेगा और इस नए आदेश के कारण सांप्रदायिक सौहार्द को गंभीर क्षति पहुंचने की आशंका है, जिससे संविधान में प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन होता है।''

बयान में कहा गया कि जमीयत ने रविवार को अपनी कानूनी टीम की एक बैठक बुलाई है जिसमें इस असंवैधानिक और अवैध आदेश'' के कानूनी पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

## सोनी के इस्तीफे और 'घोटाले' का क्या संबंध, एनटीए प्रमुख क्यों बचे हुए हैं: कांग्रेस

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष मनोज सोनी के इस्तीफे के बाद शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यूपीएससी से जुड़े विवाद पर स्पष्टीकरण देना चाहिए तथा सरकार को यह भी बताना चाहिए कि क्या इतने सारे घोटालों और इस्तीफ़े के बीच कोई संबंध है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सोनी के इस्तीफे को एक महीने तक छिपाकर क्यों रखा गया ?

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के प्रमुख प्रदीप कुमार जोशी क्यों बचे हुए हैं? उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से लग रहा था कि यूपीएससी के मौजूदा विवाद को देखते हुए सोनी को बाहर किया जाएगा। यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी ने ''निजी कारणों'' का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सोनी का कार्यकाल मई 2029 में समाप्त होना था।

## 'सबका साथ सबका विकास' प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी: सिद्दीकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख जमाल सिद्दीकी ने शनिवार को कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' की गारंटी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है, जिन्होंने अक्सर पसमांदा मुसलमानों के पिछड़ेपन के बारे में चिंता जतायी है।

सिद्दीकी ने पश्चिम बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी की इस दलील को खारिज कर दिया कि पार्टी को यह नारा छोड़ देना चाहिए और अल्पसंख्यकों के लिए अपनी शाखा बंद कर देनी चाहिए। सिद्दीकी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, जिन्होंने लोकसभा चुनावों में राज्य में पार्टी के खराब प्रदर्शन को लेकर पार्टी की एक बैठक में नाराजगी भरी टिप्पणी की थी, भाजपा के लिए अपेक्षाकृत नये हैं और उन्हें पार्टी विचारक दीन दयाल उपाध्याय द्वारा गढ़े गए 'अंत्योदय' के मार्गदर्शक दर्शन को समझने में समय लगेगा।

सिद्दीकी ने कहा कि मोदी ने इस विचार को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, सबका साथ, सबका विकास प्रधानमंत्री की गारंटी है। सिद्दीकी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश का समर्थन भी किया, जिसमें कांवड़ मार्ग पर खाने-पीने की चीजें बेचने वाले सभी ढाबों और ठेला मालिकों को अपना नाम प्रदर्शित करने को कहा गया है। उन्होंने विपक्ष द्वारा इस कदम की आलोचना किये जाने की निंदा की। अधिकारी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया जताते हुए सिद्दीकी ने कहा कि भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा समाज के सबसे वंचित वर्गों तक पार्टी की पहुंच का एक प्रमुख हिस्सा है। उन्होंने पसमांदा मुसलमानों के विकास की कमी के बारे में मोदी की चिंताओं को याद दिलाया। अल्पसंख्यक समुदाय के पिछड़े वर्गों को पसमांदा मुसलमान कहा जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए पिछड़े वर्गों का शोषण किया है।

## गोंडा रेल हादसे के लिए संयुक्त जांच में पटरी को ठीक से नहीं कसे जाने को जिम्मेदार ठहराया गया

**नई दिल्ली/भाषा।** चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने की घटना की जांच कर रही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की पांच सदस्यीय टीम ने हादसे के लिए रेल पटरी को ठीक से कसे या बांधे नहीं जाने को जिम्मेदार ठहराया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की समिति के एक सदस्य ने बाकी सदस्यों की इस बात से असहमति जताई है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की रिपोर्ट में कहा गया है, ''रेल पटरी को ठीक से नहीं कसा गया था। बहरहाल, पूर्वोत्तर रेलवे जोन (जिसके अंतर्गत दुर्घटना स्थल आता है) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना गलत है। सीपीआरओ ने कहा, ''रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा जांच पहले ही शुरू हो चुकी है और शुक्रवार को पहली सुनवाई हुई। इसमें तकनीकी विवरण और छोटी-छोटी जानकारियों के साथ हादसे के हर पहलू की विस्तृत जांच की जाएगी। संयुक्त जांच में कई महत्वपूर्ण बातें सामने नहीं आती हैं, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना बहुत जल्दबाजी होगी।

## भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए युवा स्नातक योगदान दें : गणेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने शनिवार को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवा स्नातकों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया।

कोहिमा के ओरिएंटल कॉलेज के स्नातक दिवस समारोह में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा का इस्तेमाल न केवल व्यक्तिगत सफलता बल्कि सामाजिक सुधार के लिए भी करना चाहिए। गणेशन ने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और सहानुभूति के महत्व पर प्रकाश डाला और स्नातकों से नैतिक दुविधाओं से भरी दुनिया में इन मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''आपकी सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और सहानुभूति आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रयासों में आपको परिभाषित करेगी।'' उन्होंने सहानुभूति और देशभक्ति के साथ-साथ कड़ी मेहनत और दृढ़ता के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''आपके कार्यों में दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता है, इसलिए अपने समुदाय और राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान देने का प्रयास करें। देश के प्रति कर्तव्य की भावना कम या अधिक रूप से आपके कार्यों में परिलक्षित होगी।''

## बीजू पटनायक खेल सम्मान को अब ओडिशा राज्य क्रीड़ा सम्मान कहा जाएगा

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओड़िशा की नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बीजू पटनायक खेल पुरस्कार का नाम बदलकर 'ओडिशा राज्य क्रीड़ा सम्मान' कर दिया है।

ओडिशा खेल एवं युवा सेवा विभाग ने शुक्रवार को 'राज्य क्रीड़ा सम्मान' के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। यह सम्मान प्रतिवर्ष आठ श्रेणियों में दिया जाएगा और यह सम्मान उपयुक्त उम्मीदवारों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। नकद पुरस्कार राशि में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दिशा-निर्देशों के अनुसार, खेलों को बढ़ावा देने के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार के रूप में तीन लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दो लाख रुपये और 'कोचिंग' में उत्कृष्टता के लिए एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

## पेरिस में पदक जीतने का सिलसिला जारी रखेंगे पहलवान : योगेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त को पूरा भरोसा है कि कुश्ती पेरिस ओलंपिक में भारत को एक बार फिर पदक दिलाएगी और अगर पहलवानों को पसंदीदा ड्रा मिला तो यह संख्या एक से अधिक हो सकती है।

भारत का छह सदस्यीय कुश्ती दल पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेगा जहां उनकी स्पर्धा पांच अगस्त से शुरू होगी।

पुरुष वर्ग में केवल अमन सेहरावत (57 किग्रा) ही क्वालीफाई कर पाये, लेकिन महिलाओं ने छह में से पांच ओलंपिक भार वर्गों में क्वालीफाई करके दमदार प्रदर्शन किया। सूची में केवल 62 किग्रा में ही भारतीय महिला पहलवान नहीं है। भारत ने 2008 बीजिंग खेलों के बाद से कुश्ती में लगातार पदक जीते हैं जिसमें दिग्गज सुशील कुमार ने कांस्य पदक जीतकर शुरूआत की थी।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के एक कार्यक्रम के इतर योगेश्वर दत्त ने पीटीआई वीडियोज से कहा, ''बहुत कुछ ड्रा पर निर्भर करेगा। अगर भारत को अनुकूल ड्रा मिलता है तो मुझे तीन पदक की उम्मीद है।''

योगेश्वर ने कहा, ''पिछले लगातार चार ओलंपिक में हमें कुश्ती से पदक मिले हैं। इसलिए मैं उम्मीद करता हूं कि लगातार पांचवीं बार कुश्ती देश के लिए पदक लेकर आये। मैं सभी पहलवानों को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे लगता है कि वे अच्छी तरह से तैयार हैं।''

भाजपा नेता योगेश्वर ने कहा, ''हॉकी के बाद कुश्ती ने भारत को सबसे ज्यादा पदक दिलाए हैं। इसने सभी अन्य ओलंपिक खेलों की तुलना में सात पदक दिलाए हैं। इसमें कोई शक नहीं कि कुश्ती भारत के लिए नंबर एक व्यक्तिगत ओलंपिक खेल है। ''

पूर्व भारतीय पहलवान योगेश्वर को लगता है कि भारत ओलंपिक में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके लौटेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि भारतीय दल 10 से अधिक पदक जीतेगा। ''

## उत्तर प्रदेश : चार वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

**फर्रुखाबाद/भाषा।** उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में चार वर्ष की एक बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बच्ची अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में आई थी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (मोहम्मदाबाद) अरुण कुमार ने बताया कि मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के राधे-राधे गेस्ट हाउस में बीते 11 जुलाई को शादी समारोह में शामिल होने आई चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गयी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात पुलिस ने 25 हजार के ईनामी आरोपी डब्ल्यू को पखना रेलवे स्टेशन के पास मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी पर आधा दर्जन मुकदमे हैं।

## स्पेन के मनोलो मार्केज को भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम एफसी गोवा के वर्तमान प्रभारी स्पेन के मनोलो मार्केज को शनिवार को भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह बर्खास्त इगोर स्टिमक की जगह लेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में 55 साल के मार्केज को शीर्ष पद के लिए नियुक्त किया गया।

मार्केज वर्तमान में आईएसएल टीम एफसी गोवा के मुख्य कोच हैं। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा, ''समिति ने दिन के पहले फैसले में सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के लिए नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर विचार-विमर्श किया और तत्काल प्रभाव से इस पद के लिए मनोलो मार्केज का चयन किया।'' उन्होंने कहा, '' मार्केज 2024-25 सत्र में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे। वह पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय टीम का कोच बनने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ संभालेंगे।'' एआईएफएफ ने मार्केज के कार्यकाल का खुलासा नहीं किया।

## सुविचार

**जिंदगी तुम्हें वो नहीं देगी जो तुम्हे चाहिए, जिंदगी तुम्हें वो देगी जिसके काबिल तुम हो।**

## ट्वीट

आज भाजपा जोधपुर शहर जिला कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ता साथियों से रूबरू अवसर हुआ। चुनावों के बाद कार्यसमिति के मंच से कार्यकर्ता बहनों-भाइयों से एक साथ यह पहला संवाद आत्मीय और सुखद रहा।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

राजस्थान में हैंडीक्राफ्ट्स एवं अन्य लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार ने जयपुर एवं जोधपुर में इंटरनेशनल एक्सपो लगाने का प्रस्ताव रखा एवं जोधपुर में एक्सपो आयोजित भी किया था।

-अशोक गहलोत

## कहानी

# दो नंबर की दुनिया

पुष्पेश कुमार 'पुष्प'
मो. 09135014901

**हेली उस घुटन भरी जिंदगी से बाहर निकल अपनी खुशियों की दुनिया में रंग भरने लगी। वह दो बच्चों की मां बन गयी। उसकी सूनी गोद हरी हो गयी। उसके आंगन में बच्चों की किलकारियां गूंजने लगी। हेली बैंक की नौकरी करते हुए भी अनाथ और बेबस बच्चियों के स्कूल कि देख भाल करती थी। अमन ने भी अपना व्यवसाय शुरु कर दिया था। तभी अमन उसका ध्यान भंग किया - कहां खो गयी, हेली?**

एक गरीब घर की बेटी को अमीर घराने की बहू बनना कितना कष्टदायक होता है। इस बात का एहसास हेली को हो गया था। गरीब की जिंदगी में जो सुकून है, वह अमीर की जिंदगी में कहां? हेली अमीर घराने की बहू तो बन गयी थी, लेकिन उस परिवार में उसे सुकून कहां था? वह अपने आपको अकेली ही महसूस करती थी। उसके ससुराल में बेशुमार धन बिखरा पड़ा था, किंतु वह खुशी कहां थी, जो वह चाहती थी? जब सच पर से परदा उठा, तो उसके पैरों तले से जमीन खिसक गयी थी। आज वह उस दो नंबर की दुनिया से बाहर जरुर निकल गयी है, लेकिन जब तब अपने अतीत में खो जाती है।

हेली के पिता रामप्रसाद प्रायवेट स्कूल के शिक्षक थे। उनकी चार बेटियां थी। सबसे बड़ी बेटी हेली थी और तीन उससे छोटी। रामप्रसाद किसी प्रकार अपने परिवार की परिवरिश कर रहे थे। हेली मैट्रिक पास कर गयी थी। रामप्रसाद अपनी आर्थिक स्थिति को देखते हुए हेली से कहा- बेटी! अब तुम भी किसी प्रायवेट स्कूल में नौकरी कर लो। मेरी कमाई से घर का भी खर्चा पूरा नहीं हो पाता। फिर तुम्हारी अन्य बहनों की पढ़ाई में कुछ मदद मिल जाएगी। मेरी नौकरी का क्या ठिकाना? वे मुझे कभी भी निकाल सकते हैं। कम से कम तुम अपने पैरों पर खड़ी हो जाओ।

हेली अपने पिता के दर्द को भलीभांति समझती थी, लेकिन वह अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती थी। उसकी पढ़ाई के बीच आर्थिक तंगी आ गयी थी। वो जानती थी कि पिता की कमाई से घर का खर्चा भी पूरा नहीं हो पाता, लेकिन ऐसे हालात में भी वह अपनी बहनों को कुछ बनाना चाहती थी। पिता तो पहले से ही चार बेटियों की शादी की चिंता में घुले जा रहे थे। स्कूल में पढ़ाने के अलावा उसके पास विकल्प ही क्या था?

यही सोचकर हेली स्कूल में पढ़ाने के साथ-साथ बच्चों को उनके घर जाकर ट्यूशन पढ़ाने लगी। इस प्रकार उसकी अच्छी कमाई हो जाती थी। इन सब कठिनाइयों के बावजूद वह अपनी और बहनों की पढ़ाई में बाधा आने नहीं दी। वह इन कठिनाइयों से डटकर मुकाबला करते हुए स्नातक अच्छे नंबर से पास कर गयी और बैंक की तैयारी करने लगी।

उसकी मेहनत रंग लायी। वह बैंक पी. ओ. की परीक्षा पास कर गयी। उसकी नियुक्ति पटना के एक बैंक में हो गयी। गरीबी का दंश झेल रही हेली की जिंदगी की बदनसीबी खुशनसीबी में तब्दील हो गयी। एक कपड़े को रोज धोकर पहनने वाली हेली की जिंदगी में खुशियां किलकारी मारने लगी। उसके परिवार की गरीबी अब दूर होने वाली थी। वह सोचने लगी कि अब उसकी बहनों की जिंदगी जरुर संवर जाएगी। वह पटना में एक किराये के मकान में अपने परिवार के साथ रहने लगी। हेली की प्रतिभा और उसकी खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती थी। हर कोई उसे अपनी जीवन संगिनी बनाने को तैयार था, लेकिन वह अभी शादी नहीं करना चाहती थी। उसकी एक ही इच्छा थी कि जब तक तीनों बहनों की पढ़ाई पूरी न हो जाए और वे अपने पैरों पर खड़ी न हो जाए, तब तक वह शादी नहीं करेगी।

तभी उसकी जिंदगी में आया अमन। वह एक बड़े व्यापारी का पुत्र था। काम के सिलसिले में वह प्राय : बैंक आया करता था और हेली के बगैर उसका काम हो ही नहीं सकता था। यही कारण था कि अमन और हेली में दोस्ती हो गयी। काम से छूटने के बाद अमन उसे अपनी गाड़ी से घर तक छोड़ देता था। धीरे - धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गयी। दोनों एक-दूसरे को चाहने लगे। अमन हेली के सामने शादी का प्रस्ताव रखा।

इस पर हेली बोली- अमन! मैं तुमसे शादी करना जरुर चाहती हूं, लेकिन अभी नहीं। मेरी भी कुछ जिम्मेदारियां हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ सकती।

उसकी बातें सुनकर अमन बोला- हेली! ऐसी क्या जिम्मेदारियां हैं, जो तुम शादी के बाद नहीं निभा सकती हो। मैं कुछ नहीं जानता! तुम्हें मुझसे शादी करनी ही होगी। मैं ज्यादा इंतजार नहीं कर सकता। अमन! हमारे बीच अमीरी-गरीबी की खाई है, जिसे पाटा नहीं जा सकता। तुम अमीर घराने के बेटे हो और मैं एक मामूली प्रायवेट शिक्षक की बेटी। तुम्हारे परिवार वाले कभी इस शादी के लिए राजी नहीं होंगे। फिर मेरी कमाई से ही परिवार का खर्चा चलता है। ऐसे में मैं तुमसे शादी कर अपने परिवार को संकट में नहीं डाल सकती। फिर मेरा परिवार दहेज देने में सक्षम नहीं है। अब तुम मेरी मजबूरी को समझ गये होगे। हेली उदास स्वर में बोली। हमारे प्यारे के बीच अमीरी-गरीबी की खाई नहीं आ सकती। मुझे दहेज में कुछ नहीं चाहिए। जहां तक तुम्हारे परिवार का सवाल है, तुम अपनी कमाई उन्हें भेज दिया करना। मुझे तुम्हारी कमाई का एक भी पैसा नहीं चाहिए। मैं आज ही अपने परिवार के लोगों को अपनी शादी की जानकारी दे दूंगा। वे मेरी पसंद को नापसंद कर ही नहीं सकते। मेरे घर वालों को इस शादी के लिए राजी होना ही होगा। कल ही मैं अपने परिवार वालों के तुम्हारे घर लेकर आऊंगा। यह शादी एक सप्ताह के भीतर ही होगी। खर्च की चिंता मत करना। सब कुछ मैं कर दूंगा। तुम बस अपने परिवार वालों को इस बात की जानकारी दे दो। अमन उत्साहित स्वर में बोला।

हेली जब इस बात की जानकारी अपने पिता रामप्रसाद को दी, तो वे बोले- बेटी ! शादी अपनी बराबरी वालों में करनी चाहिए। हम लोग गरीब हैं और वे लोग अमीर। अमीर लोगों की नजरों में हमारी कोई अहमियत नहीं है। तुम्हें वो मान-सम्मान नहीं मिलेगा, जो तुम्हें मिलना चाहिए। फिर इतनी जल्दी शादी कैसे हो सकती है। शादी में खर्च के लिए रुपये कहां से आयेंगे? तुम तो घर की आर्थिक स्थिति से वाकिफ हो।

मैं तो शादी से इंकार कर दी थी, लेकिन अमन मेरी कोई बात सुनने को तैयार नहीं है। वह बोला है कि आपको खर्च नहीं करना पड़ेगा। शादी की सारी व्यवस्था वह स्वयं करेगा। उसके परिवार वाले कल मुझे देखने आ रहे हैं। वह अमीरी-गरीबी में फर्क नहीं करता। हेली बोली।

अगले दिन अमन के परिवार वाले उसे देखने आ गये। किराये के साधारण मकान में रहने वाली हेली को देखकर उसके होने वाले ससुर तो कुछ नहीं बोले, लेकिन अमन की मां-बहन ने नाक-भौं सिकोड़ ली। लेकिन उसके उदार और सरल स्वभाव के ससुर ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया- मुझे इनके रहन-सहन से कोई मतलब नहीं। मुझे तो सुंदर-सुशील और प्रतिभावान बहू चाहिए, जो मिल गयी। जब मेरे बेटे को लड़की पसंद है, तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। बेटे की खुशी में ही हमारी खुशी है और हेली की शादी एक सप्ताह के भीतर ही एक फाइव स्टार होटल में हो गयी। हेली अमन की पत्नी बनकर उसके घर आ गयी। पहले तो उसे एहसास हुआ कि उसके जीवन में अब खुशियां ही खुशियां होगी। घर में नौकर-चाकर थे। घर में धन का अंबार लगा था। आखिर इतना धन कहां से आता है? हेली समझ नहीं पायी। फिर धीरे-धीरे सारी बातें उसे समझ में आ गयी। व्यवसाय की आड़ में दो नंबर का धंधा होता था। बड़े- बड़े लोगों का आना-जाना लगा रहता था। इतना अपार धन होने के बावजूद घर में सुकून कहां था?

उसे इस माहौल में घुटन-सी महसूस होती। जीवन में जो आनंद होना चाहिए, वह वहां कहां था? दिन-रात भाग-दौड़ की जिंदगी। व्यवसाय की आड़ में नशीले पदार्थों का धंधा। वहां के माहौल में वह ढल नहीं पा रही थी। कहां वह गरीबी में जिंदगी जीने वाली और कहां ये लोग? उसकी भावना को समझने वाला कौन था? यहां हर कोई अपने ऐशो-आराम की दुनिया में मस्त था। एक विवाहित स्त्री को जो सुख मिलना चाहिए, वो उसे कहां मिल पा रहा था? उसे तो यहां भी दर्द, घुटन और तड़प के बीच जीना पड़ रहा था।

वह खुले आसमान और पीपल की छांव की ही ख्वाहिश रखती थी। यहां आकर तो वह एक विशाल छत के नीचे कैद हो गयी थी। परिवार वाले अपनी प्रतिष्ठा की दुहाई दे, उसे नौकरी छोड़ देने को कह रहे थे। लेकिन वह नौकरी छोड़ना नहीं चाहती थी, क्योंकि उसकी कमाई से ही तो उसके परिवार का भरण - पोषण और बहनों पढ़ाई हो पा रही थी। वह चाहती थी कि उसकी बहनें भी अपने पैरों पर खड़ी हो जाएं। यही कारण था कि वह उनकी पढ़ाई-लिखाई में कोई कमी नहीं होने दे रही थी।

धीरे-धीरे उसे सास और ननद के ताने भी सुनने को मिलने लगे। एक दिन उसने अपनी ननद की बातें सुनकर वह भौचक्की रह गयी। वह अपनी मां से कह रही थी- मां! इस गरीब की बेटी के जरा गुरुर तो देखो! अपने आपको न जाने क्या समझती है? हर बात में टांग अड़ा देती है। बाप ने दहेज में कुछ दिया नहीं, लेकिन कितना अकड़ती है। मेरा भाई ही ऐसा था कि इसकी खूबसूरती पर फिदा हो गया। परिवार के प्रतिष्ठा को भी दांव पर लगाने को तुली है। क्या सोचते होंगे लोग इस महारानी के नौकरी करने से? घर में किस चीज की कमी है, जो इसे नौकरी करने की आवश्यकता पड़ गयी। हर किसी से ऐसे बातें करती है मानो वह उसका सगा-संबधी हो। कभी कुछ देखा, तो नहीं। भिखारी बाप की बेटी।

उसे रोज ही ऐसे तानें सुनने को मिलते थे, लेकिन अब वह इन तानों को सुनने की अभ्यस्त हो गयी थी। अमन जरुर उसकी भावना को समझता था। वह कभी उससे ऊंची आवाज में बात नहीं करता था। अमन भी तो काम के सिलसिले बाहर ही रहता था। वह एकाकी जीवन जीने को मजबूर थी। अब उसे इस माहौल में घुटन-सी होने लगी। वह कुछ करना चाहती थी। अपने लिए और समाज के लिए, लेकिन वह चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रही थी। वह अपने खाली समय का उपयोग गरीब और अनाथ बच्चियों की शिक्षा-दीक्षा में व्यतीत करना चाहती थी। गरीबी क्या होती है? वह भलीभांति जानती थी। इस बड़े घर में गरीब आदमी की कहां पूछ थी? घर के नौकरों से बंधुआ मजदूर की तरह काम लिया जाता था, जिसे देखकर हेली का हृदय द्रवित हो जाता। यहां तो दया और करुणा का मात्र दिखावा होता था। यह देखकर उसकी रही - सही शक्ति भी जवाब दे जाती।

एक दिन उसके पिता उससे मिलने आये। वह उनके स्वागत में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती थी। वह रामू को नाश्ता दे आने को बोली। रामू नाश्ता लेकर जा रहा था, तभी उसकी सास रामू से बोली- यह सब किसके लिए ले जा रहे हो? जी! मेम साहब के पिता जी आये हैं। उनके लिए ले जा रहा हूं। रामू बोला।

इसे वापस ले जाकर फ्रिज में रख दो। इन लोगों की ज्यादा खातिरदारी करोगे, तो सिर पर चढ़ जाएगे। इतनी महंगी मिठाई इन सड़क छाप लोगों के लिए नहीं हैं। जाओ और एक कप चाय दे आओ। इन लोगों की इतनी ही औकात है। उसकी सास ने रामू से कहा।

हेली किचन के दरवाजे पर खड़ी अपनी सासू मां की बातें सुन रही थी। वह खून के घूंट पीकर रह गयी। उसे एहसास हो गया कि वह अब और अधिक इस घुटन भरे माहौल में नहीं रही पाएगी। इन लोगों की नजरों में गरीबों की कोई अहमियत नहीं। इनकी नजरों में तो दो नंबर की कमाई वालों की अहमियत है।

हेली वापस जाते रामू के हाथ से नाश्ते का प्लेट ले लीं और सासू मां की बातों को दरकिनार कर काफी मान-सम्मान के साथ अपने पिता को विदा की।

यह दोहरा चरित्र देखकर हेली के मन में उथल-पुथल मचने लगा। इस अमीरी की जिंदगी में रखा ही क्या है? शादी के दस साल हो गये, लेकिन मातृत्व सुख से वंचित हूं। जहां उसके परिवार की कोई इज्जत नहीं, उस घर में अब और नहीं रह सकती। अपनी जिंदगी को इस आलीशान बंगले में बर्बाद नहीं दूंगी। मेरे जीवन में सुख है कहां? है तो सिर्फ दर्द, तड़प और घुटन ! अब और नहीं बर्दाश्त कर सकती। इन सोने की दीवारों के बीच मेरा दम घुटने लगा है। मेरी रातों की नींद और दिन का चैन गायब हो गया है। मेरे तो सपने टूटकर बिखर गये। क्या मेरी जिंदगी ऐसे ही कट जाएगी? और उसने निश्चय कर लिया कि अमन के आते ही इस बारे में बात करेगी।

अमन के सामने उसने स्पष्ट शब्दों में कह दिया- अमन! अब मैं इस घर में नहीं रह सकती। इस घर में मेरा दम घुटता है। इतना धन-दौलत होने के बावजूद मन की शांति कहां है? शादी के दस साल हो गये। मैं मातृत्व सुख से वंचित हूं। एक औरत की जिंदगी में मातृत्व सुख से बढ़कर और कुछ नहीं। मेरी जिंदगी तो नीरस हो गयी। मैं समाज के लिए कुछ करना चाहती हूं। जो इस घर में रहकर नहीं कर सकती। जिंदगी जीने के लिए सब कुछ पैसा ही नहीं होता। इस दो नंबर की कमाई और दो नंबर की दुनिया में सुकून कम और घुटन ज्यादा है। मैं अपने तरीके से जिंदगी जीना चाहती हूं। मुझे इस धन-दौलत से कोई लेना - देना नहीं। मैं तो अपनी छोटी-सी दुनिया में खुश थी। मैं नहीं रह सकती इस घुटन भरे माहौल में। क्या तुम मेरे साथ चलने को तैयार हो या मैं स्वयं तुम्हारी दुनिया से निकल जाऊं? कहीं किसी किराये के मकान में रह लूंगी। मैं तुम्हें नहीं छोड़ सकता, हेली ! जिस में तुम्हारी खुशी, उसी में मेरी खुशी है। लेकिन एक बार पिता जी से बात कर लेने दो। फिर हम दोनों इस घर को छोड़कर चले जाएगे।

उसके उदार और सरल स्वभाव के ससुर ने कहा- तुम समाज के लिए कुछ करना चाहती हो करो। मैं तुम्हें रोकूंगा नहीं। इस काम में मैं तुम्हारी सहायता करुंगा। अनाथ और बेबस बच्चियों के लिए एक स्कूल खुलवा दूंगा। तुम उसकी देख - भाल करना। तुम्हें किराये के मकान में रहने की आवश्यकता नहीं। हमारा कुर्जी वाला बंगला खाली है। वहीं जाकर तुम दोनों रहना।

इस प्रकार हेली उस घुटन भरी जिंदगी से बाहर निकल अपनी खुशियों की दुनिया में रंग भरने लगी। वह दो बच्चों की मां बन गयी। उसकी सूनी गोद हरी हो गयी। उसके आंगन में बच्चों की किलकारियां गूंजने लगी। हेली बैंक की नौकरी करते हुए भी अनाथ और बेबस बच्चियों के स्कूल कि देख भाल करती थी। अमन ने भी अपना व्यवसाय शुरु कर दिया था। तभी अमन उसका ध्यान भंग किया - कहां खो गयी, हेली? अपने अतीत में खो गयी थी। उस दो नंबर की दुनिया और इस दुनिया में कितना अंतर है, अमन। वहां दर्द था, तो यहां केवल प्यार। जो सुकून गरीबी में है, वह अमीरी में कहां? आज हमारी दुनिया में खुशियां ही खुशियां है। कितनी खुशनुमा हो गयी है, हमारी जिंदगी। हेली मुस्कुराते हुए बोली। अब हम कभी उस दुनिया में नहीं जाएगे, जहां तड़प के अलावा कुछ नहीं है। तुमने सही कहा था कि दुनिया में सब कुछ दौलत ही नहीं होती। दौलत से दुनिया की हर चीज खरीदी जा सकती है, लेकिन प्यार और सुकून को नहीं। यह कहते हुए अमन हेली को अपनी बांहों में भर लिया।

## संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

# आत्मबोध

शुचिता का सूचक होता है आत्म। आलोकित और पवित्र होता है आत्म। गंगोत्री के उद्गम की तरह निर्मल होता है आत्म, जहाँ किसी तरह का कोई मैल नहीं होता। मैल तो उद्गम से आगे की यात्रा में जमना शुरु होता है। ज्यों-ज्यों यात्रा आगे बढ़ती है, यात्रा के छोटे-बड़े पड़ाव मनुष्य में आत्म-मोह उत्पन्न करते हैं। फिर आत्म-मोह, अज्ञान के साथ मिलकर अहंकार का रूप लेने लगता है। जैसे पेट बढ़ने पर घुटने नहीं दिखते, वैसे ही आत्म-मोही की भौंहे फैलकर अपनी ही आँखों में प्रवेश कर जाती हैं। इससे दृष्टि धुंधला जाती है। आगे दृष्टि शनैः शनैः क्षीण होने लगती है और अहंकार के चरम पर आँखें दृष्टि से हीन हो जाती हैं।

दृष्टिहीनता का आलम यह कि अहंकारी को अपने आगे दुनिया बौनी लगती है। वह नाममात्र जानता है पर इसी नाममात्र को सर्वश्रेष्ठ मानता है।

ज्ञानी की अवस्था पूर्ण भरे घड़े की तरह होती है। वह शांत होता है, किसी तरह का प्रदर्शन नहीं करता। अज्ञानी की स्थिति इसके ठीक विरुद्ध होती है। वह आधी भरी मटकी के जल की तरह उछल-उछल कर अपना अस्तित्व दर्शाने के हास्यास्पद प्रयास निरंतर करता है। इसीलिए तो कहा गया है, 'अधजल गगरी छलकत जाए।'

लगभग चार दशक पूर्व एक अंग्रेजी फिल्म देखी थी। नायक दुर्घटनावश एक ऐसे कस्बे में पहुँच जाता है जहाँ जीवन जीने के तौर-तरीके अभी भी अविकसित और बर्बर हैं। नायक को घेर लिया जाता है। कस्बे का एक योद्धा, नायक के सामने तलवार लेकर खड़ा होता है। तय है कि वह तलवार से नायक को समाप्त कर देगा। अपने अहंकार का मारा कथित योद्धा, नायक का सिर, धड़ से अलग करने से पहले तलवार से अनेक करतब दिखाता है। भारी भीड़ जुटी है। एक ओर नायक स्थिर खड़ा है। दूसरी ओर से तलवारबाजी करता कथित योद्धा नायक की ओर बढ़ रहा है। योद्धा के हर बढ़ते कदम के साथ शोर भी बढ़ता जाता है। अंततः दृश्य की पराकाष्ठा पर योद्धा ज्यों ही तलवार निकालकर नायक की गर्दन पर वार करने जाता है, अब तक चुप खड़ा नायक, जेब से पिस्तौल निकालकर उसे ढेर कर देता है। भीड़ हवा हो जाती है। ज्ञान के आगे अज्ञान की यही परिणति होती है।

'अध जल गगरी' की स्थिति से बचाव के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है सच्चे गुरु की। ऐसा गुरु जो शिष्य को उसके भीतर की निर्बलता और सबलता दोनों दिखाए। जो शिष्य को अज्ञान से मुक्ति के लिए आत्म परीक्षण की ओर प्रवृत्त करे। आत्म-परीक्षण होगा, तब ही आत्म-परिष्कार होगा। आत्म-परिष्कार होगा तो मनुष्य आत्म-बोध के दिव्य पथ पर अग्रसर होगा।

दिव्य पथ का बोध करानेवाले गुरु को नमन। गुरु पूर्णिमा की मंगलकामनाएँ।

## बोध कथा

# बाबापुर की रामलीला

नालीराम हमेशा अपनी बुद्धिमता से सबका मन जीतने के लिए जाने जाते थे। आए दिन राज्य पर आई किसी न किसी समस्या को सुलझाने के लिए वे अपना दिमाग लगाया करते थे। इसी तरह जब एक बार दशहरा पर नाटक मंडली विजयनगर नहीं पहुंच पाई, तो तेनाली ने क्या किया, आइए जानते हैं। काशी की एक नाटक मंडली हमेशा दशहरे से पहले विजयनगर आया करती थी। यह नाटक मंडली विजयनगर में रामलीला किया करती थी और नगर वासियों का मनोरंजन किया करती थी। यह एक तरह से विजयनगर की संस्कृति थी और ऐसा हर साल हुआ करता था, लेकिन एक साल ऐसा आया जब काशी नाटक मंडली के कई सदस्य बीमार पड़ गए और उन्होंने कह दिया कि वो विजयनगर नहीं आ पाएंगे। यह सुनकर महाराज कृष्णदेव राय और सारी प्रजा बहुत उदास हो गई।

दशहरे को अब सिर्फ कुछ ही दिन बाकी थे और ऐसे में किसी और नाटक मंडली को बुलाकर रामलीला का आयोजन करवाना बहुत मुश्किल था। दरबार के मंत्रियों और राजगुरु ने आसपास के गांव की नाटक मंडली को बुलाने की कोशिश की, लेकिन किसी का भी आ पाना बहुत मुश्किल था। सबको निराश देख तेनालीराम ने कहा, मैं एक नाटक मंडली को जानता हूं। मुझे यकीन है कि वो विजयनगर में रामलीला करने के लिए जरूर तैयार हो जाएंगे। तेनाली की यह बात सुनकर सब खुश हो गए। इसके साथ ही राजा ने तेनाली को मंडली बुलाने की जिम्मेदारी सौंप दी और तेनाली ने भी रामलीला की तैयारी करना शुरू कर दी। विजयनगर को नवरात्र के लिए सजाया गया और रामलीला मैदान की साफ-सफाई करवा कर वहां बड़ा-सा मंच बनवाया गया। उसी के साथ मैदान पर बड़ा-सा मैला भी लगवाया गया।

जब नगर में रामलीला होने की खबर फैली, तो सारी जनता रामलीला देखने के लिए उत्सुक हो गई। रामलीला वाले दिन सभी लोग रामलीला देखने के लिए मैदान में इकट्ठे हो गए। वहीं, महाराज कृष्णदेव राय, सभी मंत्रीगण और सभा के अन्य सदस्य भी वहां मौजूद थे। सभी ने रामलीला का खूब मजा उठाया। जब नाटक खत्म हो गया, तो सभी ने उसकी बहुत तारीफ की। खासकर, नाटक मंडली में मौजूद बच्चों की कलाकारी सभी को बहुत पसंद आई थी। महाराज सभी से इतना खुश थे कि उन्होंने पूरी नाटक मंडली को महल में खाना खाने का न्योता दे दिया।

जब पूरी मंडली महल आई, तो सभी ने महाराज, तेनाली और अन्य मंत्रीगण के साथ भोजन किया। इस दौरान महाराज ने तेनालीराम से पूछा कि उन्हें इतनी अच्छी मंडली कहां से मिली? इस पर तेनाली ने उत्तर दिया, ये मंडली बाबापुर से आई है, महाराज। बाबापुर? इस जगह का नाम तो हमने कभी नहीं सुना। कहां है ये?, महाराज ने आश्चर्य से पूछा। यहीं विजयनगर के पास ही है, महाराज।

तेनाली की यह बात सुनकर मंडली के सदस्य मुस्कुराने लगे। इस पर महाराज ने उनसे मुस्कुराने की वजह पूछी, तो मंडली का एक बच्चा बोला, महाराज, हम विजयनगर के ही रहने वाले हैं। इस मंडली को तेनाली बाबा ने तैयार करवाया है और इसलिए हमारा नाम बाबापुर की मंडली है। बच्चे की यह बात सुनकर महाराज सहित सभी लोग ठहाके लगाने लगे।

### कहानी से सीख

बच्चों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसे दूर न किया जाए सके। बस, इसके लिए संयम और बुद्धिमानी से काम लेने की जरूरत होती है, जैसे इस कहानी में तेनालीराम ने किया।

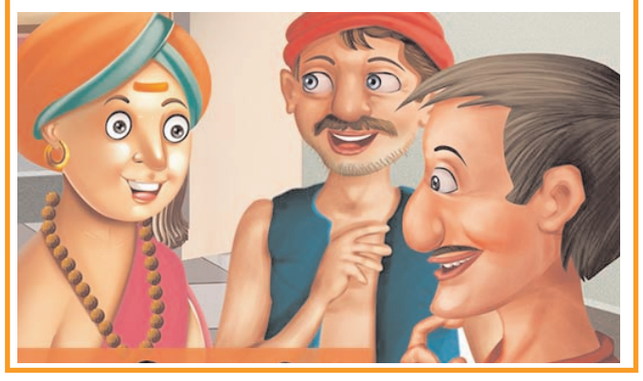

## वीर गाथा

# हवलदार अब्दुल मजीद : अपने घावों की परवाह न की, आतंकवादी को ठिकाने से निकालकर ढेर किया

हवलदार अब्दुल मजीद का जन्म जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के अजोट गांव में हुआ था। उनके परिवार के कई सदस्य सशस्त्र बलों में सेवा दे चुके हैं, इसलिए उन्हें सेना में जाने की प्रेरणा मिली। वे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद सेना में भर्ती हो गए। उन्हें पैराशूट रेजिमेंट में शामिल किया गया था। इसके बाद उन्होंने स्पेशल फोर्सेज में जाने का निश्चय किया और वे 9 पैरा (एसएफ) में आ गए। नवंबर 2023 में हवलदार अब्दुल मजीद अपनी यूनिट के साथ कश्मीर घाटी के राजौरी सेक्टर में तैनात थे। इस इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ बड़े अभियान चलाए जा रहे थे।

सेना की यूनिट ने खुफिया जानकारी के आधार पर 22 नवंबर, 2023 को आतंकवादियों के खिलाफ तलाशी और घेराबंदी अभियान का आगाज किया था। एक संयुक्त टीम राजौरी जिले के गुलाबगढ़ वन के कालाकोट इलाके में भेजी गई थी। अभी तलाशी अभियान चल ही रहा था कि आतंकवादियों ने भागने की कोशिश करते हुए जवानों की ओर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की। पता चला कि आतंकवादी अपने ठिकाने में छिपकर जवानों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान सेना के एक कैप्टन घायल हो गए। उनकी मदद के लिए अब्दुल मजीद आगे बढ़े। आतंकवादियों ने उनकी ओर भी भारी गोलीबारी की, लेकिन अब्दुल ने कैप्टन को एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। इसके बाद वे अपने जवानों के साथ उस ठिकाने की ओर बढ़े, जहां आतंकवादियों ने डेरा डाल रखा था। अचानक, अब्दुल मजीद के पैर में गोली लगी, जिससे बहुत ज़्यादा खून बह रहा था। उन्होंने इसकी परवाह न करते हुए एक ग्रेनेड निकाला और आतंकवादियों के ठिकाने की ओर उछाल दिया। इससे डरकर आतंकवादी बाहर भागे।

अब्दुल मजीद ने फुर्ती दिखाई, वे आतंकवादी की ओर बढ़े और उसे बहुत नजदीक जाकर मार गिराया। अन्य जवानों ने भी एक-एक आतंकवादी को वहीं ढेर कर दिया। इस पूरी कार्रवाई का दु:खद पक्ष यह रहा कि अब्दुल मजीद शहीद हो गए थे। उन्होंने बहुत बहादुरी दिखाते हुए भारत माता के लिए जिस तरह बलिदान दिया, उसे हमेशा याद रखा जाएगा। भारत के वीर सपूत हवलदार अब्दुल मजीद को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

## भारत में 2020 में महामारी के दौरान 11.9 लाख अतिरिक्त मौत हुईः अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान 2019 की तुलना में अधिक मौत हुई। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। अध्ययन के अनुसार महामारी के दौरान 2020 में 11.9 लाख अतिरिक्त मौत हुईं और यह आंकड़ा 2019 की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं समेत अन्य ने कहा कि यह अनुमान भारत में कोविड-19 से हुई मौतों के आधिकारिक आंकड़ों से लगभग आठ गुना अधिक है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान से 1.5 गुना अधिक है।

इस बीच अध्ययन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक बयान जारी किया, जिसमें अध्ययन के आकलनों को भ्रामक बताया गया है। अध्ययन लेखकों के अनुसार 7.65 लाख से अधिक व्यक्तियों के आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए, अध्ययन में भारत में 2019 और 2020 के बीच लैंगिक और सामाजिक समूह के आधार पर जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में बदलाव का अनुमान लगाया। अध्ययन के अनुसार भारत एक ऐसा देश जहां वैश्विक महामारी से होने वाली एक तिहाई अतिरिक्त मौतें हुई हैं।

यह आंकड़ा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) से लिया गया है।

लेखकों ने कहा कि महिलाओं की जीवन प्रत्याशा में 3.1 वर्ष की कमी आई है, जबकि पुरुषों में यह 2.1 वर्ष कम हुई है। 'साइंस एडवांसेज' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में लेखकों ने कहा कि ये तरीके उच्च आय वाले देशों में देखे गए तरीकों के विपरीत हैं, जहां महामारी के दौरान महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक मौतें हुईं। शोधकर्ताओं ने पाया कि उच्च जाति के हिंदू समूहों में जीवन प्रत्याशा में 1.3 वर्ष की गिरावट देखी गई, जबकि मुसलमानों और अनुसूचित जनजातियों में जीवन प्रत्याशा में 5.4 वर्ष और 4.1 वर्ष की गिरावट देखी गई।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में शोधार्थी एवं लेखक आशीष गुप्ता ने कहा, ''हाशिए पर पड़े समूहों की जीवन प्रत्याशा पहले से ही कम थी और महामारी ने सबसे विशेषाधिकार प्राप्त भारतीय सामाजिक समूहों और भारत में सबसे हाशिए पर पड़े सामाजिक समूहों के बीच की खाई को और बढ़ा दिया है।''

इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत में सभी आयु समूहों में मृत्यु दर में वृद्धि हुई है, सबसे अधिक युवा और वृद्ध लोगों में। उन्होंने कहा कि सबसे कम उम्र के बच्चों में अधिक मृत्यु का कारण यह हो सकता है कि कुछ क्षेत्रों में बच्चे कोविड-19 संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील थे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि 'जर्नल साइंस एडवांसेज' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन से वर्ष 2020 में अत्यधिक मृत्यु दर को दर्शाने वाला अध्ययन अपुष्ट और अस्वीकार्य अनुमानों पर आधारित हैं।

### अभिनंदन

पटना में शनिवार को एसके मेमोरियल हॉल में एक अभिनंदन समारोह के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को माला पहनाई गई।

## मैं एक बुरा अभिनेता हूं, कंगना मेरे साथ फिल्म करने को राजी नहीं होंगी : चिराग पासवान

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड में असफल शुरुआत के बाद राजनीति में आये केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की फिल्मों में वापसी की कोई योजना नहीं है और उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि वह इतने ''बुरे अभिनेता'' हैं कि उनकी लोकसभा सहयोगी एवं पहली सह-कलाकार रहीं कंगना रनौत भी उनके साथ दोबारा काम करने के लिए सहमत नहीं होंगी।

यहां समाचार एजेंसी के मुख्यालय में 'पीटीआई' के संपादकों के साथ बातचीत में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख ने कहा कि 2011 में आई उनकी फिल्म ''मिले ना मिले हम'' असफल रही थी।

पासवान ने इस फिल्म में रनौत के साथ अपनी फिल्मी पारी की शुरुआत की थी। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम अगले दो साल तक उनकी शादी करने की कोई योजना नहीं है क्योंकि वह अपना सारा समय राजनीति को देना चाहते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं।

चिराग पासवान ने कहा, ''और मुझे लगता है कि शादी भी एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। आप सिर्फ अपने काम में व्यस्त रहकर अपने जीवनसाथी के समक्ष यह बहाना नहीं बना सकते कि मेरा काम ही मेरी प्राथमिकता है। अगर आपका काम आपकी प्राथमिकता है, तो अपनी प्राथमिकता स्पष्ट रूप से तय करें।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपनी प्राथमिकता के बारे में बहुत स्पष्ट हूं कि मैंने अपने काम से 'विवाह' किया है, और अगर मेरे पास अपनी पत्नी के लिए समय नहीं है, तो मुझे इसमें (शादी में) नहीं पड़ना चाहिए।''हिंदी फिल्म उद्योग की प्रमुख अभिनेत्रियों में शुमार रनौत के राजनीति में कदम रखने और हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद, पासवान की पहली फिल्म फिर से सुर्खियों में आ गई और कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने कहा कि वे उन्हें फिर से स्क्रीन पर एक साथ देखना चाहेंगे। हालांकि, पासवान ने फिल्म जगत में वापसी की किसी भी संभावना से इनकार किया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह कभी सिनेमा में वापसी के बारे में सोचेंगे, पासवान ने चुटकी लेते हुए कहा, ''फिर से? नहीं, बिल्कुल नहीं। और मुझे लगता है कि जिसने भी फिल्म (मिले ना मिले हम) देखी है, वह मुझसे सहमत होगा।'' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि बॉलीवुड में उनके छोटे से कार्यकाल ने उन्हें सिखाया है कि जीवन में क्या नहीं करना चाहिए।

## छोटे से अपडेट ने दुनिया के लाखों आईटी सिस्टम को नाकारा कर दिया, समय पर मिली चेतावनी

नाथन (ऑस्ट्रेलिया)। इस सप्ताह के अंत में एक सॉफ्टवेयर अपडेट के गलत होने के कारण वैश्विक आईटी आउटेज ने आधुनिक आईटी बुनियादी ढांचे की परस्पर जुड़ी और अक्सर नाजुक प्रकृति को उजागर कर दिया। यह दर्शाता है कि विफलता के एक बिंदु के दूरगामी परिणाम कैसे हो सकते हैं। यह आउटेज क्राउडस्ट्राइक फाल्कन के लिए स्वचालित रूप से शुरू किए गए एकल अपडेट से जुड़ा था, जो एक सर्वव्यापी साइबर सुरक्षा उपकरण है जिसका उपयोग मुख्य रूप से बड़े संगठनों द्वारा किया जाता है। इससे दुनिया भर के माइक्रोसॉफ्ट विंडोज कंप्यूटर क्रैश हो गए।

क्राउडस्ट्राइक ने अपनी ओर से समस्या का समाधान कर दिया है। जबकि कई संगठन अब काम फिर से शुरू कर पा रहे हैं, आईटी टीमों को सभी प्रभावित प्रणालियों को पूरी तरह से ठीक करने में कुछ समय लगेगा – उनमें से कुछ काम मैन्यूली करना होगा। कई संगठन समान क्लाउड प्रदाताओं और साइबर सुरक्षा समाधानों पर भरोसा करते हैं। परिणाम डिजिटल मोनोकल्चर का एक रूप है। जबकि इस मानकीकरण का मतलब है कि कंप्यूटर सिस्टम कुशलतापूर्वक चल सकते हैं और व्यापक रूप से संगत हैं, इसका मतलब यह भी है कि एक समस्या कई उद्योगों और भौगोलिक क्षेत्रों में फैल सकती है। जैसा कि हमने अब क्राउडस्ट्राइक के मामले में देखा है, यह पूरी दुनिया में भी फैल सकता है। आधुनिक आईटी बुनियादी ढांचा अत्यधिक परस्पर जुड़ा हुआ और अन्योन्याश्रित है। यदि एक घटक विफल हो जाता है, तो यह ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जहां विफल घटक एक शृंखला प्रतिक्रिया को ट्रिगर करता है जो सिस्टम के अन्य हिस्सों को प्रभावित करता है।

जैसे-जैसे सॉफ़्टवेयर और उनके द्वारा संचालित नेटवर्क अधिक जटिल होते जाते हैं, अप्रत्याशित इंटरैक्शन और बग की संभावना बढ़ती जाती है। एक छोटे से अपडेट के अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं और यह पूरे नेटवर्क में तेजी से फैल सकता है। जैसा कि हमने अब देखा है, पर्यवेक्षकों द्वारा इसे रोकने के लिए प्रतिक्रिया करने से पहले संपूर्ण सिस्टम को ठप किया जा सकता है।

जब हर जगह विंडोज़ कंप्यूटर मौत की नीली स्क्रीन संदेश के साथ क्रैश होने लगे, तो शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया कि आईटी आउटेज माइक्रोसॉफ्ट के कारण हुआ था।

वास्तव में, माइक्रोसॉफ्ट ने पुष्टि की कि उसने मध्य अमेरिका क्षेत्र में क्लाउड सेवाओं में रुकावट का अनुभव किया है, जो गुरुवार, 18 जुलाई 2024 को पूर्वी समयानुसार शाम 6 बजे के आसपास शुरू हुआ। इस आउटेज ने विभिन्न एज़्योर सेवाओं का उपयोग करने वाले ग्राहकों के एक उपसमूह को प्रभावित किया। एज़्योर माइक्रोसाफ्ट का स्वामित्व वाला क्लाउड सेवा प्लेटफ़ॉर्म है।

एज़्योर आउटेज के दूरगामी परिणाम हुए, जिससे एयरलाइंस, खुदरा, बैंकिंग और मीडिया सहित कई क्षेत्रों में सेवाएं बाधित हुईं। न केवल अमेरिका में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी।

## 'धुरंधर' में काम करेंगी यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम फिल्म धुरंधर में काम करती नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम निर्देशक आदित्य धर एक फिल्म बना रहे है, जिसका नाम 'धुरंधर' है।

बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए आदित्य धर ने रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल से बात की है। अब इस लिस्ट में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम का नाम भी जुड़ गया है।कहा जा रहा है कि इस फिल्म में यामी गौतम लीड रोल में नजर आने वाली हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह, पाकिस्तान में तैनात एक खुफिया ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है।आदित्य धर फिल्म 'धुरंधर' को जियो स्टूडियो के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।फिल्म 'धुरंधर' अगले साल यानी 2025 के सेकंड हाफ में रिलीज हो सकती है।

## हॉरर फिल्म 'ए वेडिंग स्टोरी' 30 अगस्त को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनव पारीक द्वारा निर्देशित 'ए वेडिंग स्टोरी' 30 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शुभो शेखर भट्टाचार्जी द्वारा लिखित हॉरर फिल्म ए वेडिंग स्टोरी में मुक्ति मोहन, वैभव तत्ववादी, लक्ष्वीर सिंह सरन, मोनिका चौधरी, अक्षय आनंद, डॉ. सहित प्लोम खुराना, और पीलू विद्यार्थी जैसे कलाकार हैं।यह फिल्म एक खुशहाल शादी पर केंद्रित है जो जल्द ही अशुभ घटनाओं से ग्रस्त हो जाती है। 'ए वेडिंग स्टोरी' का निर्माण विनय रेड्डी और शुभो शेखर भट्टाचार्जी ने किया है। यह फिल्म 30 अगस्त को रिलीज होगी।

## आवाज की कशिश से गीता दत्त ने श्रोताओ को मंत्रमुग्ध किया

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में गीता दत्त का नाम एक ऐसी पार्श्वगायिका के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने अपनी आवाज की कशिश से श्रोताओं को मदहोश किया। 23 नवंबर 1930 में फरीदपुर शहर में जन्मीं गीता दत्त महज 12 वर्ष की थी तब उनका पूरा परिवार फरीदपुर .अब बंगलादेश में .से मुंबई आ गया।उनके पिता जमींदार थे । बचपन के दिनों से ही गीता दत्त का रूझान संगीत की ओर था और वह पार्श्वगायिका बनना चाहती थी। गीता दत्त ने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा हनुमान प्रसाद से हासिल की। गीता दत्त को सबसे पहले वर्ष 1946 में फिल्म ..भक्त प्रहलाद .. के लिये गाने का मौका मिला। उन्होंने कश्मीर की कली , रसीली , सर्कस किंग जैसी कुछ फिल्मो के लिये भी गीत गाये, लेकिन इनमें से कोई भी बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुयी।इस बीच गीता दत्त की मुलाकात संगीतकार एस.डी.बर्मन से हुयी। बर्मन साहब को गीता के रूप में फिल्म इंडस्ट्री का उभरता हुआ सितारा दिखाई दिया और उन्होंने गीता दत्त से अपनी अगली फिल्म ..दो भाई .. के लिये गाने की पेशकश की। वर्ष 1947 में प्रदर्शित फिल्म .. दो भाई.. गीता दत्त के सिने कैरियर की अहम फिल्म साबित हुयी और इस फिल्म में उनका गाया यह गीत .. मेरा सुंदर सपना बीत गया .. लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। फिल्म की कामयाबी के बाद बतौर पार्श्वगायिका

### पुण्यतिथि के अवसर पर

गीता दत्त अपनी पहचान बनाने में सफल हो गयी।

वर्ष 1951 गीता दत्त के सिने कैरियर के साथ ही व्यक्तिगत जीवन में भी एक नया मोड़ लेकर आया। फिल्म ..बाजी .. के निर्माण के दौरान उनकी मुलाकात निर्देशक गुरूदत्त से हुयी। फिल्म के एक गाने..तदबीर से बिगड़ी हुयी तकदीर बना ले .. की रिकार्डिंग के दौरान गीता को देख गुरू दत्त मोहित हो गये। गीता दत्त भी गुरूदत्त से प्यार करने लगी और वर्ष 1953 में दोनों ने शादी कर ली। इसके साथ ही फिल्म ..बाजी .. की सफलता ने गीता दत्त की तकदीर बना दी और बतौर पार्श्वगायिका वह फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित हो गयी।

वर्ष 1956 गीता दत्त के सिने कैरियर में एक अहम पड़ाव लेकर आया। फिल्म हावड़ा ब्रिज के संगीत निर्देशन के दौरान ओ.पी.नैयर ने एक ऐसी धुन तैयार की थी जो सधी हुयी गायिकाओं के लिये भी काफी कठिन थी। जब उन्होने गीता दत्त को ..मेरा नाम चिन चिन चु .. गाने को कहा तो उन्हे लगा कि वह इस तरह के पाश्चात्य संगीत के साथ तालमेल नहीं बिठा पायेंगी। गीता दत्त ने इसे एक चुनौती की तरह लिया जब उन्होंने इस गीत को गाया तो उन्हें भी इस बात का सुखद अहसास हुआ कि वह इस तरह के गाने गा सकती है।

गीता दत्त के पंसदीदा संगीतकार के तौर पर एस.डी.बर्मन का नाम सबसे पहले आता है। गीता दत्त के सिने कैरियर में उनकी जोड़ी संगीतकारओ.पी.नैयर के साथ भी पसंद की गयी। वर्ष 1957 में गीता और गुरू दत्त की विवाहित जिंदगी मे दरार आ गयी। गुरूदत्त चाहते थे गीता दत्त केवल उनकी बनाई फिल्म के लिये ही गीत गाये। काम में प्रति समर्पित गीता दत्त तो पहले इस बात के लिये राजी नहीं हुयी लेकिन बाद में गीता दत्त ने किस्मत से समझौता करना ही बेहतर समझा। धीरे धीरे अन्य निर्माता निर्देशको ने गीता दत्त से किनारा करना शुरू कर दिया। कुछ दिनो के बाद गीता दत्त अपने पति के बढ़ते दखल को बर्दाशत न कर सकी और उन्होंने गुरू दत्त से अलग रहने का निर्णय कर लिया।

गीता दत्त से जुदाई के बाद गुरूदत्त टूट से गये और उन्होंने अपने आप को शराब के नशे मे डूबो दिया। दस अक्तूबर 1964 को अत्यधिक मात्रा मे नींद की गोलियां लेने के कारण गुरू दत्त इस दुनियां को छोड़कर चले गये। गुरू दत्त की मौत के बाद गीता दत्त को गहरा सदमा पहुंचा और उन्होंने भी अपने आप को नशे में डुबो दिया।

## 'कंगुवा' में तीन अवतार में नजर आएंगे सूर्या

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार सूर्या अपनी आने वाली फिल्म कंगुवा में तीन अलग-अलग अवतार में नजर आयेंगे। स्टूडियो ग्रीन के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म 'कंगुवा' का निर्देशन शिवा ने किया है। इस फिल्म में सूर्या बिल्कुल नए अवतार में नजर आयेंगे। इस फिल्म में अपनी भूमिका के लिए सूर्या ने काफी बदलाव किए हैं। हर एक किरदार का लुक अलग होगा, जो पहले कभी नहीं देखा गया है और यह फिल्म की कहानी में एक अलग तरह का रोमांच लाएगा।

मेकर्स ने टेक्निकल डिपार्टमेंट जैसे एक्शन और सिनेमेटोग्राफी के लिए हॉलीवुड एक्सपर्ट्स को हायर किया है. फिल्म में कुल 10 हजार लोगों से ज्यादा के साथ शूट किया गया, सबसे बड़ा वॉर सीक्वेंस भी है।

स्टूडियो ग्रीन ने टॉप डिस्ट्रीब्यूशन हाउसेज के साथ हाथ मिलाया है, जिससे फिल्म को बड़े लेवल पर दुनिया भर में रिलीज किया जा सके। फिल्म कंगुवा 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज होगी।

## फिल्म 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना का फर्स्ट रिलीज हो गया है। भाई बहन के पावन त्यौहार रक्षाबंधन को लेकर भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने निर्माता प्रदीप सिंह एक नई भावनात्मक फिल्म भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में ऋतु सिंह,गौरव झा,संजय पाण्डेय, जे नीलम और देव सिंह मुख्य भूमिका में नज़र आने वाले हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन और मैडज मूवीज प्रस्तुत फिल्म भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना एक पारिवारिक और भावनात्मक कहानी पर आधारित है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम और रिश्ते की गहराई को दर्शाती है। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह के साथ समीर आफताब और प्रतीक सिंह भी हैं, जबकि निर्देशक प्रमोद शास्त्री और लेखक एस के चौहन हैं। प्रदीप सिंह ने कहा, यह फिल्म भाई-बहन के रिश्ते पर आधारित है और इसमें हमारे समाज के सबसे प्यारे और मजबूत रिश्ते को दिखाया गया है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म सभी को भावुक कर देगी और दर्शकों के दिलों को छू लेगी। ऋतु सिंह ने कहा, ऐसी फ़िल्में कम ही बनती हैं। खुद को इस मामले में लकी समझती हूं कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और मेरी भूमिका फिल्म में काफी महत्वपूर्ण है। निर्देशक प्रमोद शास्त्री ने बताया कि भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना का तो अभी फर्स्ट लुक आउट हुआ है। फिल्म के संगीतकार आजाद सिंह हैं और गीतकार प्यारेलाल यादव एवं आजाद सिंह हैं। नृत्य कानू मुखर्जी, संकलन प्रकाश झा और एक्शन श्रवण कुमार का है।

## 'नागवधू' में डरी हुई थीं सुबुही जोशी

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस सुबुही जोशी टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग और कॉमेडी टाइमिंग के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह वेब सीरीज 'नागवधू: एक जहरीली कहानी' में बोल्ड सीन्स को लेकर चर्चाओं में है। सीरीज में उनके काम को लेकर मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया से वह बेहद खुश हैं। 'नागवधू: एक जहरीली कहानी' में सुबुही जोशी नई दुल्हन आभा के किरदार में हैं। सुबुही ने कहा, ''मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, मुझे बहुत पॉजिटिव रिस्पांस मिला। मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने कुछ बोल्ड सीन किए थे। लेकिन, सभी ने इसके बारे में अच्छी बातें कहीं, क्योंकि स्क्रीन पर बिल्कुल भी ऐसा नहीं लग रहा था कि यह गैर-जरूरी हो। मुझे कुल मिलाकर बहुत अच्छे कमेंट्स मिले हैं।'' एक्ट्रेस ने आगे कहा कि फीडबैक बहुत पॉजिटिव रहा है। ''दर्शकों को यह कहानी के लिए जरूरी और दिलचस्प लगा, जो मेरे लिए राहत की बात थी। तारीफों ने सीन्स की सुंदरता को बढ़ा दिया।'' सुबुही ने कहा कि वह सभी तरह के प्रोजेक्ट करने के लिए तैयार हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे 'नागवधू' जैसा कुछ फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि कहानी के लिहाज से, यह अच्छा था। जिन चीजों को लेकर मैं सबसे ज्यादा डर रही थी, वे असल में अच्छी निकलीं, इसलिए मुझे उन्हें फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है। सुबुही ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक एक्टर के लिए हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को फिर से तलाशना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा, हर प्रोजेक्ट के साथ आपको नई चीजें करने और नए किरदार निभाने का मौका मिलता है। यह नयापन दर्शकों को जोड़े रखने के लिए बहुत जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि दर्शकों के पास कंटेंट के कई ऑप्शन हैं, जिससे ऑडियंस का अटेंशन पाना मुश्किल हो जाता है।

ऑन-स्क्रीन बोल्ड कंटेंट के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, आजकल बोल्ड कंटेंट को इसलिए स्वीकार किया जा रहा है क्योंकि लोग इन चीजों के बारे में ज्यादा खुले हैं। लोग इसे लेकर काफी सहज हैं, हालांकि अभी भी कुछ जगहें ऐसी हैं जहां इसे ज्यादा पसंद नहीं किया जाता क्योंकि परिवार एक साथ शो देखना चाहता है।'' 'नागवधू' शो की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह उन युवकों की हत्या करती है जो उसके साथ रात बिताते हैं। इसमें पोलोमी दास ने संवरी की भूमिका निभाई है। यह शो ऑल्ट पर स्ट्रीम हो रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 21-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अहोभाव अंदर से पूरी तरह से सकारात्मकता, प्रसन्नता, आल्हाद, प्रमोद से भर देता है। यह प्रमोद गुणीजनों के प्रति होता है। यह सबसे पहले हमारे शरीर में प्रतिकार क्षमता बढ़ाता है। इम्यूनिटी को मानसिक, शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। यदि हमारे मन में हताशा, निराशा है तो प्रमोद भाव आने से वह दूर हो जाती है। प्रसन्नता भीतर प्रवेश कर लेती है। यह मानसिक रूप से दृढ़ता बढ़ाता है। तीर्थंकर भगवान के प्रति अहोभाव आने से अनादिकाल से अंदर रही हुई विषमताएं दूर हो जाती है। इससे सम्यक दर्शन की शुद्धि होती है।

# चातुर्मास स्वयं से स्वयं का जुड़ने का अवसर है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

### आनंद दरबार की धर्मसभा में उमड़ा श्वेत वेश में श्रद्धा का सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के तत्वावधान एवं श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज तथा उपप्रवर्तिनी साध्वी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मास का शुभारंभ शनिवार को हुआ। इस मौके पर तीन हजार से ज्यादा श्रावकों- श्राविकाओं ने श्रद्धापूर्वक सामायिक की आराधना की। युवाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि यह चातुर्मास केवल हमारा ही नहीं अपितु आप सबका भी है, तो हमारी दोनों की बोन्डिंग होनी चाहिए। चार महीने हमें एक जगह रहना कल्पनीय है। शेष काल विचरण करना है। हमारी बोन्डिंग आपके साथ चार माह की है। अगर हम अभी चूक गए तो आराधना, साधना का इससे बड़ा अवसर नहीं मिलेगा।

उन्होंने बताया कि चातुर्मास की शुरुआत आषाढ़ महिने की पूनम को होती है क्योंकि आगमों में कहा गया है कि यह आरा बदलने का समय है यानी एक युग का प्रारंभ होता है। ऐसे समय में यह संक्रमण काल है। इसमें सभी संस्कृति के प्रमुख प्रवाह का समावेश है। ऐसे काल में सबसे उत्तम कार्य जो है, वह धर्म साधना का है। उन्होंने कहा हमारे शरीर में प्राण वायु चलती है, जिसे आक्सीजन कहते हैं। योग की भाषा में सूर्य स्वर और चन्द्र स्वर चलते हैं। उन्होंने कहा, आराम के कार्य चन्द्र स्वर में करो और श्रम के कार्य सूर्य स्वर में करो। जिस समय दोनों स्वर चलते हैं, ऐसे समय में साधना करनी चाहिए। वह साधना का उत्कृष्ट समय होता है। वैदिक धर्म में भी इसी समय धर्म ध्यान प्रारंभ होता है।

महासती अणिमाश्री जी ने कहा कि मैले कर्मों को धोने के लिए यह चातुर्मास है। इस चातुर्मास में हमें कर्मनिर्जरा के लिए तैयार होना है। चातुर्मास आत्मा से परमात्मा बनने के लिए है। सारी बुराइयों का त्याग कर अच्छाइयों को ग्रहण करने का समय है। आनंदमय जीवन बनाने का, आत्मा को पवित्र करने का यह अनुपम उपहार है। उन्होंने कहा, यह चातुर्मास एक सेमेस्टर है, आगम हमारा सिलेबस है, जिनवाणी हमारी स्टडी है, युवाचार्यश्री हमारे टीचर है, नवतत्व हमारे लेसन है, हमें आचरण का एक्जाम देना है, कर्म हमारे पर्सेंटेज है और गति हमारा रिजल्ट है। हमें अधिक से अधिक आत्मा से जुड़ना है। यहां धर्म की जिनवाणी की बारिश में नहाना है। मन को कमजोर नहीं बनाना है।

महासती दिव्ययशाश्री जी ने कहा कि हमें आत्मध्यान का चिंतन कर जीवन में परिवर्तन लाना है, यही चातुर्मास का संदेश है। हमें आत्मसाधना में जुड़ जाना है। स्व में, धर्म साधना में लीन हो जाना है। इस धर्म के सीजन में विस्मृत धर्म का रिवीजन करना है। हृदय में जो अज्ञान रूपी अन्धकार है, उसे दूर करना है। आत्मा के रहस्यों को उद्घाटित करने का यह चातुर्मास है। आत्मोत्थान के साथ ऊंची पोजीशन बनानी है, यही संदेश इस चातुर्मास का है।

इस मौके पर मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने चातुर्मास में होने वाले विभिन्न आराधना, साधना के कार्यक्रमों में जुड़कर आत्मा को सुदृढ़ करने का आग्रह किया। महासती मलयाश्री जी ने भाव भरे स्तवन का गान किया। महासंघ के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने पार्किंग व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। माम्बलम जैन संघ के अध्यक्ष डॉ. उत्तमचंद गोठी ने ग्रहण करने योग्य 24 नियम का उल्लेख किया। नेमीचंद सिंघवी ने समय-समय पर होने वाले जैन धर्म और विज्ञान कार्यशाला में जुड़ने का आग्रह किया। दिलीप चौरड़िया ने भिक्षु दया के आयोजन की जानकारी दी।

## 'चातुर्मास है स्व के समीप जाने का अवसर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमन्तनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मास करने के लिए आई साध्वीश्री धर्मप्रभाजी और स्नेहप्रभाजी के चातुमार्सिक प्रवचन शुरु हुए। प्रारम्भिक प्रवचन में साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि चातुर्मास एक ऐसा काल है जो आरोग्य और पर्यावरण की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। चातुर्मास एक आध्यात्मिक सुख प्रदान करने वाला स्वर्णिम अनमोल अवसर है। जागरण का उद्बोधन और आत्मा को पावन- पवित्र करने के लिए आता है चातुर्मास। साधकों को चाहिए कि जिनवाणी को समझें, श्रद्धा करें एवं विवेक के नेत्रों से आत्मदर्शन करें। चातुर्मास का प्रमुख लक्ष्य है जीव दया, जीव यतना, व्रत व तप आराधना, क्योंकि जैन धर्म एक अहिंसा प्रधान धर्म है। उन्होंने बताया कि वर्ष भर में तीन चातुर्मासिक पक्खियां आती हैं। यह एक लोकोत्तर पर्व है जो हमें आत्म शुद्धि, आत्म जागरण और स्व को पहचानने का सन्देश देता है।

साध्वी स्नेहप्रभाजी ने कहा कि अन्धकार से प्रकाश में आकर जीवन रूपी ज्योति जगाने का नाम है चातुर्मास। हिन्दू धर्म में इसे वर्षावास और जैन धर्म में चातुर्मास कहा जाता है, क्योंकि हिन्दुओं का वर्षावास दो मास का और जैनों को चातुर्मास चार महीने का होता है। चातुर्मास नाम है ठहराव का, रुको और भीतर देखो. स्व के घर में यानि भीतर में लौटे। स्व में लौटने से ही आत्मिक व मानसिक शान्ति मिलेगी, चित प्रसन्न होना और प्रमोद भावना बढ़ेगी, जो कि हमारे लिए धर्म के मार्ग में आगे बढ़ने की भूमिका तैयार करेगा।

धर्म सभा की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के जाप से एवं तीर्थकर भगवान् व गुरुदेवों की स्तुति से हुई। साध्वीद्वय की निश्रा में शनिवार से 42 दिवसीय पैंसठिया छन्द-जाप का का विधिवत् जाप अनुष्ठान साधना का प्रारंभ हुआ, जिसके प्रथम दिवस जाप अनुष्ठान का लाभ गन्ना परिवार ने लिया और संघ ने गन्ना परिवार को जाप अनुष्ठान का मंगल कलश सौंपा।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने रविवार से प्रारंभ हो रहे 45 दिवसीय सिद्धि तप के साथ, 40 दिवसीय विहरमान तप की विस्तार से जानकारी दी। हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। हनुमंतनगर नवयुवक मंडल, महिला मंडल ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया संघ मंत्री सुरेशकुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि रविवार का प्रवचन दोपहर में 2 से होगा। गुरु पूर्णिमा पर्व पर रविवार को विशेष प्रवचन होगा।

## कर्मों की विशेष निर्जरा का समय चातुर्मास : साध्वी डॉ गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माधावरम् के जैन तेरापंथ नगर के तीर्थंकर समवसरण में साध्वीश्री डा.गवेषणाश्रीजी ने शनिवार को चातुर्मासिक चौवदस के अवसर पर उपस्थित धर्म परिषद् को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जैन धर्म का विशिष्ट दिन है। हिंदू धर्म में भी आषाढ़ शुक्ला एकादशी से कार्तिक शुक्ला एकादशी तक के चार महिनों का विशेष महत्व है, इसे चातुर्मास कहते है। इन चार महिनों में मुख्यतः व्रत, उपवास तप आदि विशेष आराधना के प्रयोग, अर्हत् वाणी श्रवण आदि किये जाते है। ज्ञान, साधना का चिंतन, मनन, निदिध्यासन चातुर्मास में ही होता है। किसी चीज का खर्च करें, तो उसका संचय भी आवश्यक है। संचय के बिना खर्च कैसे करे? हम पुण्याई का भोग तो कर रहे है, पर पुनः संचित नहीं करेंगे तो? इस चातुर्मास में कर्मों की विशेष निर्जरा करते हुए चातुर्मास को सफल बनाना है। विशिष्ट मंत्रोच्चारण के साथ वर्षावास स्थापना की गई। भविष्य को उज्वल बनाने के लिए, गहराई में उतरने के लिए और चातुर्मास में विशिष्ट कुछ करने के लिए साध्वीवृन्द ने एक गवेषणा मॉल की ओपनिंग की। उसकी एक रोचक कार्यक्रम के द्वारा प्रस्तुति दी गई।

साध्वीश्री ने कहा- जो चातुर्मास में दस बातें नहीं करता है जैसे- सामायिक, तप-जप, धर्मजागरणा, धर्मदलाली आदि, उनको बाद में पश्चाताप करना पड़ता है। सुरेश रांका ने आगामी कार्यक्रम की सूचना दी। तत्पश्चात साध्वीश्रीजी ने तपस्वियों को तपस्या का प्रत्याख्यान करवाया। मंगलपाठ के साथ प्रवचन सम्पन्न हुआ।

## चातुर्मास में हमें अपने आप में खोना और निज को पहचानना है : संतश्री बसंतमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट अशोकनगर शूले में विराजमान श्रमण संघीय संतश्री बसन्तमुनिजी ने चातुर्मासिक पाक्षिक पर्व पर कहा कि चातुर्मास का लक्ष्य धर्म के मर्म को समझने का है। मुनिश्री ने कहा कि मैं यहां पर आया हूं आपकी आत्मा से आपकी मुलाकात कराने, जिस दिन आत्मा से मुलाकात हो जाएगी आपको आनंद का अनुभव होगा। इस चातुर्मास में बच्चों को धर्म की जानकारी होना बहुत जरूरी है, इसलिए बच्चों को हिंदी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि आजकल अंग्रेजी का चलन ज्यादा है। मुनिश्री ने कहा कि हमें स्वयं को जानना है स्वयं का पता न होना हमारे पतन का कारण है। एक बार अगर पतन हो गया तो यह मानव तन मिलना मुश्किल हो जाएगा। इस चातुर्मास में हमें अपने आप में खोना है। जो अपने आप में नहीं खोते वो एक दिन स्वयं को खो देते हैं। निज को जानना बड़ी जरूरत है और निज को जानने के लिए हमें जिनवाणी को सुनना पड़ेगा जिसने जिननाथ को जान लिया उसने निज को जान लिया। इस अवसर पर केवलमुनि ट्रस्ट के उपाध्यक्ष चिकबल्लापुर के उत्तमचन्द कोठारी, शूले संघ के अध्यक्ष देवराज चोपड़ा, उपाध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, शांतिलाल चोपड़ा, इंदरचंद भंसाली, महेंद्र चोपड़ा आदि उपस्थित थे। मंच संचालन ट्रस्ट के मंत्री प्रेमकुमार कोठारी ने किया।

## चातुर्मास का समय धर्मध्यान का सीजन : मुनिश्री दीपकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबतूर। तमिलनाडु के कोयंबतूर शहर स्थित तेरापंथ भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीपकुमारजी का शुक्रवार को चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। राजगुरु अपार्टमेंट से विहार कर तेरापंथ भवन में मुनिदय का रैली के साथ प्रवेश हुआ। कोयम्बटूर के अलावा आसपास के एवं विजयनगर, बेंगलूरु इत्यादि क्षेत्रों के अच्छी संख्या में श्रावक समाज उपस्थित था।

मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि चातुर्मास का समय धर्मध्यान की सीजन का समय है। इस समय जैसे आसमान में बादल मंडराते हुए दिखाई देते हैं, तो लोगों का हृदय प्रफुल्लित हो जाता है। इस प्रकार इस समय संतजन आचार्यवर द्वारा निर्धारित क्षेत्र में चातुर्मासिक प्रवेश करते हैं, तो श्रावक समाज में नए उल्लास का संचार हो जाता है। चातुर्मास का समय आध्यात्म का प्राणवान समय है। सौभाग्य से हमें जिनशासन प्राप्त हुआ है। उसमें भी तेरापंथ धर्मसंघ जैसा संघ प्राप्त हुआ है। यहां एक गुरु आज्ञा में सब कार्य होते हैं। वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमणजी की अनुशासना में सब साधना कर रहे हैं।

मुनिश्री ने आगे कहा कि आज का दिन आचार्य श्री भिक्षु के साथ जुड़ा हुआ है, उनका जन्म दिवस है। आचार्य भिक्षु मंगल पुरुष थे। उनका अथ से इति तक का जीवन मंगल ही मंगल था। मुनि श्री ने चातुर्मास से संबंधित विविध बातों की प्रेरणा प्रदान की। मुनिश्री काव्यकुमारजी ने कहा कि कोयंबतूरवासियों को सौभाग्य है की गुरुदेव ने कृपा कर मुनिश्री दीपकुमारजी स्वामी का चातुर्मास प्रदान किया है। मुनिश्री के चातुर्मास का पूर्ण रूप से लाभ उठाएं।

कार्यक्रम में तेरापंथ सभा कोयंबतूर के अध्यक्ष देवीचंद मंडोत, तेरापंथ भवन ट्रस्ट अध्यक्ष महावीर भंडारी, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष मंजू सेठिया, तेरापंथ युवक परिषद् उपाध्यक्ष चिराग बोथरा ने स्वागत भाषण दिया। तेरापंथ महिला मंडल कोयंबतूर और तिरुपुर की सदस्यों ने स्वतंत्र गीत का संगान किया।

तेरापंथ सभा, तिरुपुर के अध्यक्ष अनिल आंचलिया, तेरापंथी महासभा क्षेत्रीय प्रभारी प्रवीण बोहरा, अभातेयुप से राकेश पोखरना विजयनगर एवं सोनू डागा, तिरुपुर ने भावाभिव्यक्ति दी। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा और मूर्तिपूजक संघ, कोयंबतूर अध्यक्ष गुलाब मेहता ने भी स्वागत में विचार रखें। संचालन तेरापंथ महिला मंडल, कोयंबतूर की सहमंत्री मधु चौरड़िया ने किया।

## तेयुप हनुमंतनगर ने आयोजित किया भिक्षु भजन संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री भिक्षु का 299वां जन्मदिवस और 267वां बोधि दिवस के अवसर पर भिक्षु भजन संध्या का आयोजन तेयुप हनुमंतनगर द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम द्वारा कैलाशचंद विजय कोठारी के निवास स्थान पर हुआ। महाश्रमण सुर संगम संयोजक सन्नी रांका, सहसंयोजक सुरेश कोठारी, उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, विक्रम पुंगलिया, मनोज पोरवाड़, संगठनमंत्री संदीप बाबेल, कैलाश कोठारी व मोनिका कोठारी ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियां देकर पूरे माहौल को भिक्षुमय बना दिया।

परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सबका स्वागत किया। इस मौके पर तेयुप के अनेक सदस्य व श्रावक जन उपस्थित थे। आभार मंत्री संदीप चौधरी ने ज्ञापित किया।

## विजयनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासिक चतुर्दशी वर्षावास स्थापना अनुष्ठान आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन विजयनगर में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में चातुर्मासिक चतुर्दशी का कार्यक्रम तथा वर्षावास स्थापना अनुष्ठान आयोजित हुआ। नमस्कार महामंत्र के पश्चात साध्वीश्री ने विविध मंत्रों के उच्चारण के साथ वर्षावास स्थापना अनुष्ठान सम्पन्न कराया, तदुपरांत चातुर्मासिक चतुर्दशी का महत्व समझाते हुए चातुर्मास के दौरान श्रावक के लिए करणीय तथा अकरणीय कार्यो के बारे मे बताया। उन्होंने चातुर्मास के दौरान विविध त्याग व पच्चखाण करने की प्रेरणा दी तथा चातुर्मासिक चतुर्दशी के अवसर पर साध्वीश्री ने हाजरी का वाचन किया एवं लेख पत्र का भावार्थ भी विस्तार से समझाया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन उपासक छत्रसिंह मालू ने किया। साध्वीश्री द्वारा मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

## अहिंसा हर जैनी का परम धर्म : संतश्री राजेशमुनि

**बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत।** शहर के शांतिनगर में वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के लुणावत जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उत्तर भारतीय संतश्री राजेशमुनिजी 'श्रमण'ने चातुर्मास के प्रथम दिवस के प्रातःकालीन प्रवचन में अहिंसा की मार्मिक व्याख्या की। मुनिश्री ने कहा कि हर जैनी का परमधर्म अहिंसा है। अहिंसा के अर्थ अत्यंत गहरे हैं। अहिंसा यदि हमारे भीतर समा जाए, अंतःकरण का हिस्सा बन जाए तो जैन धर्म के पांचों व्रत स्वतः ही जीवन में समाहित हो जायेंगे। चातुर्मास में हमें अपनी खोट निकालनी है। इससे गुण हमारे जीवन में भर जायेंगे। संतश्री ने कहा कि यही खोट हमें समर्पित कर, आप गुणी बन जाओ। श्रावक यह उपहार हमें दे दें तो हमारा चातुर्मास सफल हो जायेगा। हमें कषायों की निग्रह करना चाहिए। इन चार महीनों में हमें अपने जीवन को शुद्ध करना है तो जिनवाणी को हृदय में पहुंचाना होगा।

संत ने कहा कि हमें भीड़तंत्र वाला नहीं, अध्यात्म तंत्र वाला चातुर्मास चाहिए। हमारे गुरु निग्रंथ, धर्म हमारा दया और देव हमारे अरिहंत रहें, यही लक्ष्य होना चाहिए। कदम, कलम और कसम का उपयोग बहुत सोच-समझ के ही करना चाहिए। गुरु हमारे जीवन को बदलने आते हैं ताकि हम मोक्षगामी बन जाएं। प्रवचन का अर्थ है कि ऐसे वचन जो हमारा जीवन बदल दें। जीवन में श्रद्धापूर्वक कार्य किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। हर प्राणी को स्वयं के समान समझें फिर व्यवहार करें ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.